राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 06, अंक 141 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, सोमवार 24 जून 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

शशि थरूर के पोस्ट पर बिफरी भाजपा, नीट विवाद के बीच कांग्रेस नेता ने यूपी की परिभाषा पर ली चुटकी

नई दिल्ली। नीट विवाद के बीच कांग्रेस नेता थरूर नीट ने यूपी की परिभाषा वाले प्रश्नोत्तर के पोस्ट से सियासी वार-पलटवार तेज हो गई है। दरअसल शशि थरूर ने सोशल मीडिया साइट ङ्क पर एक वायरल पोस्ट शेयर किया गया। जिसमें एक सवाल पूछा गया कि उत्तर प्रदेश किसे कहते हैं? जवाब में लिखा गया था कि- वो प्रदेश जहां परीक्षा से पहले उत्तर पता चल जाए उसे उत्तर प्रदेश कहते हैं। शशि थरूर ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा का हैशटैग भी लगाया है। वहीं कांग्रेस नेता के इस पोस्ट को भाजपा नेताओं ने राज्य का अपमान बताया है। कांग्रेस नेता के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री और यूपी के नेता जितिन प्रसाद ने लिखा मुझे अपने राज्य और उसके लोगों को इस तरह की निंदनीय टिप्पणियों के साथ स्टीरियोटाइप करके नीचा दिखाने में कोई मजाक नहीं दिखता। यूपी का ऐसा अपमान निंदनीय है और इसकी कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने भी कांग्रेस नेता शशि थरूर के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी और लिखा कि भारतीयों को शर्मिंदा करने की बेशर्मी भरी राजनीति - यही कांग्रेस का तरीका है, जिसे इस स्व-घोषित वैश्विक नागरिक ने बखूबी प्रदर्शित किया है। कुछ महीने पहले ही कांग्रेस के एक और 'वैश्विक नागरिक' पित्रोदा ने भारतीयों को अफ्रीकी, चीनी, मध्य पूर्वी आदि बताया था।

एमपी समेत 11 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट

अरुणाचल में बादल फटा, लैंडस्लाइड-बाढ़ :असम में 4 लाख लोग प्रभावित, 37 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में रविवार सुबह 10.30 बजे बादल फटने से बाढ़ जैसे हालात बन गए। अधिकारियों ने बताया कि कई जगहों पर लैंड स्लाइड हुआ। लोगों को वहां न जाने की सलाह दी गई है। वहीं, नेशनल हाइवे-415 पर जलभराव होने से कई वाहन फंसे हुए हैं।

उधर, असम में करीब एक हफ्ते से बारिश हो रही है। सरकार के अधिकारियों ने 22 जून को बताया कि बाढ़ से 19 जिलों में करीब 4 लाख लोग प्रभावित हैं। इस साल बाढ़ और लैंडस्लाइड से मरने वालों का आंकड़ा 37 हो गया है। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए सरकार ने 100 रिलीफकैंप लगाए हैं। राहत सामग्री देने के लिए 125 सेंटर बनाए हैं।

मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश समेत 11 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इनमें मध्य प्रदेश का मालवा इलाके के अलावा गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने मानसून के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में आने वाली बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक की। इसमें गृह, जल संसाधन, नदी विकास, पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण, सड़क परिवहन मंत्रालयों और विभागों के सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, ह्रष्ठरू के अधिकारी शामिल हुए।

मानसून 3 जुलाई तक दिल्ली-पंजाब को कवर करेगा

22 जून तक मानसून महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, गुजरात-महाराष्ट्र के कुछ हिस्से, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल पहुंच चुका है। 3-4 दिन में इन राज्यों को पूरी तरह कवर कर लेगा। 27 जून तक मानसून दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में एंट्री ले सकता है और 3 जुलाई तक इन राज्यों को पूरी तरह कवर करके आगे बढ़ेगा।

मानसून के साथ ही कुछ राज्यों में तेज गर्मी का दौर भी जारी है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश में आज और कल लू चलने की संभावना है। पंजाब और दिल्ली में कल से 25 जून तक हीटवेव का अलर्ट है।

मानसून कहां-कहां पहुंचा

दक्षिण-पश्चिम मानसून निकोबार में 19 मई को पहुंच गया था। केरल में इस बार दो दिन पहले, यानी 30 मई को, ही मानसून पहुंच गया था और कई राज्यों को कवर भी कर गया। फिर 12 से 18 जून तक (6 दिन) मानसून रुका रहा। इसके चलते उत्तर भारत में हीटवेव चल रही है।

मानसून 12 जून तक केरल, कर्नाटक, गोवा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को पूरी तरह कवर कर चुका था। साथ ही दक्षिण महाराष्ट्र के ज्यादातर हिस्सों, दक्षिणी छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों, दक्षिणी ओडिशा, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और सभी पश्चिमोत्तर राज्यों में पहुंच गया था।

18 जून तक मानसून गुजरात के नवसारी, महाराष्ट्र के जलगांव, अमरावती, चंद्रपुर, छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा, ओडिशा के मलकानगिरी और आंध्र प्रदेश के विजयनगरम तक पहुंचा था। मौसम विभाग का अनुमान है कि जून में मानसून सामान्य से कम यानी 92त्न लंबी अवधि के औसत (स्रक्क) से कम रहेगा।

नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट से पुलिस ट्रक उड़ाया : 2 जवान शहीद

बीजापुर-सुकमा बॉर्डर पर हमला; 6 माह में 7 की शहादत

सुकमा/बीजापुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के सुकमा और बीजापुर बॉर्डर पर रविवार को नक्सलियों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। सिलगेर और टेकलगुडम के बीच नक्सलियों ने सीआरपीएफ जवानों के ट्रक को आईईडी ब्लास्ट कर उड़ा दिया। इस ब्लास्ट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कोबरा बटालियन के दो जवान शहीद हो गए।

जानकारी के अनुसार, जगरगुंडा क्षेत्र स्थित सिलगेर कैंप से 201 कोबरा वाहिनी के जवानों का मूवमेंट रोप (रोड ओपनिंग ड्यूटी) के दौरान ट्रक और बाइक से टेकलगुडेम की ओर था। वहां रास्ते में नक्सलियों ने आईईडी प्लांट कर रखा था। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब 3 बजे जैसे ही जवानों से भरा ट्रक वहां से निकला, आईईडी की चपेट में आ गया। ब्लास्ट में ट्रक के सह चालक शैलेंद्र और ड्राइवर विष्णु आर शहीद हो गए। जवानों ने दोनों के शव सुरक्षित निकाल लिए हैं। ब्लास्ट के चलते ट्रक का चालक जवान विष्णु आर और सह चालक जवान शैलेंद्र शहीद हो गए। बाकी जवान सुरक्षित बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि ये जवान राशन लेकर जवान कैंप जा रहे थे। टेकलगुडम और इससे आगे का पूवर्ती इलाका नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा का गढ़ है। कुछ ही महीने पहले यहां सुरक्षाबलों का कैंप स्थापित किया गया है। बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट में थाना प्रभारी की कार के अगले हिस्से को पहुंचा नुकसान। वहीं नक्सलियों का बिछाया आईईडी कमांड के लिए वायर बरामद किया गया।

करीब महीना भर पहले बीजापुर जिले में थाना प्रभारी की गाड़ी नक्सलियों के लगाए आईईडी की चपेट में आ गई थी। फरसेगढ़ थाना प्रभारी आकाश मसीह अपने एक जवान के साथ शासकीय काम से बीजापुर आ रहे थे। इसी दौरान नक्सलियों ने फरसेगढ़ और रानीबोदली गांव के बीच कमांड आईईडी ब्लास्ट कर दिया। हालांकि, इस घटना में थाना प्रभारी आकाश मसीह और जवान दोनों सुरक्षित हैं। वाहन के अगले हिस्से को नुकसान पहुंचा था। सुकमा जिले के टेकलगुड़ेम में हुए नक्सली हमले में 2 जवानों की शहादत पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुख व्यक्त किया है।

पूरे हफ्ते रहेगी मौसम की मेहरबानी : दिल्ली में आज बारिश का यलो अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में रविवार को हल्की बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम की मेहरबानी पूरे सप्ताह रहेगी। इससे लोगों भीषण गर्मी व लू से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान दिनभर हल्के बादल छाए रहेंगे। साथ ही, 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से तेज हवा के साथ धूलभरी आंधी भी चलेगी। ऐसे में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है।

रविवार को सुबह से ही बादल छाए रहे। इससे तेज गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन उमस ने परेशान किया। दोपहर के बाद मौसम ने करवट ली।

कुछ इलाकों में तेज हवा के साथ धूल भरी आंधी चली, जबकि कई इलाकों में बारिश दर्ज की गई। शाम साढ़े पांच बजे तक 0.6 एमएम बारिश दर्ज की गई। इससे तापमान में कमी देखने को मिली। मौसम विभाग के मुताबिक, अधिकतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस से अधिक 39.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान में भी दो डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया।

निचली अदालत से मिली जमानत पर हाईकोर्ट की रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे केजरीवाल

आज सुनवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने निचली अदालत के जमानत देने के फैसले पर दिल्ली हाईकोर्ट की रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। केजरीवाल ने वकीलों के जरिए इस मामले में सोमवार ही सुनवाई की मांग की है। गौरतलब है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल को अब समाप्त हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में जमानत देने के निचली अदालत के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने के लिए उच्च न्यायालय का रुख करने के बाद यह आदेश पारित किया। अदालत ने कहा कि वह

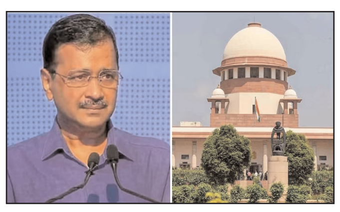

निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने की प्रार्थना पर विस्तृत आदेश के लिए मामले को सुरक्षित रख रही है। इसने यह भी कहा कि इस पर दो से तीन दिनों में फैसला सुनाया जाएगा। इस बीच, एकल न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि निचली अदालत के जमानत आदेश के क्रियान्वयन पर रोक रहेगी। अंतिम आदेश दो से तीन दिनों के बाद पारित किया जाएगा।

ट्रायल कोर्ट ने दी थी जमानत

शराब घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी थी और एक लाख के जमानत बांड पर उन्हें रिहा करने का आदेश दिया था।

नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की जांच करने आई सीबीआई टीम पर हमला

लोगों ने नकली पुलिस समझकर पीटा

नवादा (एजेंसी)। नवादा में नीट यूजी पेपर लीक मामले की जांच करने दिल्ली से बिहार के नवादा पहुंची सीबीआई टीम की ग्रामीणों ने पिटाई कर दी है। रजौली पुलिस के पहुंचने के बाद सीबीआई टीम के अधिकारियों को बचाया जा सका। नवादा के पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने बताया कि नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम नवादा जिले के रजौली थाना के कसियाडीह गांव पहुंची थी। लेकिन, ग्रामीणों ने सीबीआई टीम को नकली पुलिस बताकर उनके साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद नवादा पुलिस पहुंची और अधिकारियों को बचाया। मामले को संज्ञान में लेकर कार्रवाई कर रही है। इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई टीम के अधिकारियों ने दो मोबाइल फोन को जब्त किया है।

टावर लोकेशन के आधार पर जांच करने पहुंची थी टीम

बताया जा रहा है कि नीट पेपर लीक मामले की जांच के लिए दिल्ली से सीबीआई की टीम नवादा जिले के रजौली थाना के कसियाडीह गांव पहुंची थी। पेपर लीक में शामिल एक व्यक्ति के मोबाइल लोकेशन के आधार पर सीबीआई टीम कसियाडीह पहुंची थी, लेकिन सीबीआई टीम को नकली बताकर ग्रामीणों ने उनके साथ मारपीट कर दिया। सीबीआई के अधिकारियों के गाड़ियों में भी तोड़फोड़ कर दिया। सीबीआई टीम के ड्राइवर के साथ भी मारपीट किया गया। सीबीआई की जांच टीम में चार अधिकारियों के साथ स्थानीय पुलिस की एक महिला कांस्टेबल भी थी। नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पहली एफआईआर दर्ज की है। एजेंसी से जुड़े अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है। सीबीआई ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 5 मई को आयोजित की कई नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओ और धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं। उन्होंने आगे कहा कि परीक्षा प्रक्रिया के संचालन में पारदर्शिता के लिए मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंपा गया है।

नीट यूजी पुनःपरीक्षा में 813 उम्मीदवार हुए शामिल, 1563 अभ्यर्थियों के लिए हुआ था आयोजन

रविवार को 1,563 उम्मीदवारों के लिए नीट यूजी परीक्षा दोबारा आयोजित की गई। एनटीए द्वारा कहा गया कि इस परीक्षा में लगभग 800 उम्मीदवार शामिल हुए हैं। एनटीए ने कहा, आज नीट यूजी की पुनः परीक्षा में 1563 में से कुल 813 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (हृञ्ज) ने आज यानी 23 जून को नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट - यूजी की पुनःपरीक्षा आयोजित की। कुल 1,563 उम्मीदवारों के लिए नीट रीटेस्ट आयोजित किया गया था। इन उम्मीदवारों को खोए हुए समय की भरपाई के लिए ग्रेस मार्क्स दिए गए थे, जिसके कारण इस निर्णय पर विवाद हुआ था। कुल 1,563 उम्मीदवारों में से 750 छात्रों ने हृश्वश्वञ्ज रीटेस्ट 2024 छोड़ दिया।

क्या इस बार निकाय चुनाव से पहले सेलूद को मिल जाएगा नगर पंचायत का दर्जा?

भाजपा शासन में फिर जगी सेलूद निवासियों की उम्मीद

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। दुर्ग जिला के पाटन ब्लॉक का सबसे बड़े ग्राम पंचायत के रूप में सेलूद को जाना जाता है। शुरू से ही ग्राम सेलूद व्यापार, शिक्षा, राजनीति का मुख्य केंद्र बिंदु रहा है। सेलूद का विकास काफी तेजी से हो रहा है। मतदाताओं में भी वृद्धि हुई है। इस बार अनुमान लगाया जा रहा है की ग्राम पंचायत सेलूद को आगामी नगरीय निकाय चुनाव से पहले ही नगर पंचायत का दर्जा दिए जाने का चर्चा शुरू हो गई है। ये चर्चा इसलिए भी काफी महत्वपूर्ण हो गई की जब पूर्व में भाजपा का शासन था तो तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह को यहां के भाजपाईयों ने ज्ञापन सौंपकर नगर पंचायत का दर्जा दिए जाने का मांग किया था। लेकिन उसके बाद सरकार बदल गई है । अब फिर से भाजपा का शासन आ गया है। इसलिए अब फिर से सेलूद को नगर पंचायत का दर्जा दिए जाने का मांग जोर पकड़ने लगी है। अगर संसाधन का बात करे तो सेलूद इस मामले में काफी समृद्ध है। नगर पंचायत के लिए सभी जरूरी आवश्यकता यहय पर पूरी की जा सकती है। अगर सेलूद का नगर पंचायत बनने में सिर्फएक हो रोड़ा आ रहा है और वह है यहां नगर पंचायत निर्माण के लिए पर्याप्त मतदाता नही है। लेकिन इसकी पूर्ति पास के हो गांव चुनकट्टा को शामिल कर किया जा सकता है। भौगोलिक क्षेत्रफल के मामले भी सेलूद काफी बड़ा है। यहां पर पर्याप्त जगह भी उपलब्ध है।

शिक्षा, स्वास्थ्य , सड़क सुविधा का विस्तार

सेलूद शुरू से ही आसपास के गांवों के बच्चो के लिए शिक्षा का मुख्य केंद्र रहा है। आज भी आसपास के बच्चे हाई स्कूल ओर हायर सेकंडरी की पढ़ाई करने सेलूद आते है। यहां पर सर्व सुविधा युक्त स्वामी आत्मानंद विद्यालय है। कन्या हायर सेकंडरी अपने नए विशाल भवन में संचालित है। भविष्य में यहां पर कालेज का भी विस्तार किया जा सकता है। इसके अलावा सेलूद चारो तरफ से पक्की सड़क से दुर्ग, राजधानी रायपुर, धमतरी से जुड़ा हुआ है। उप स्वास्थ्य केंद्र, पशु औषधालय, पोस्ट आफिस पहले से संचालित है। वही अब फोर लेन से भी जुड़ गया है। धीरे धीरे सेलूद बड़ा बाजार बनता जा रहा है। सेलुद सेनानियों की धरती है।

राजनीतिक केंद्र रहा है सेलूद

शुरू से ही सेलूद पाटन विधानसभा तथा दुर्ग जिला की राजनीति का मुख्य केंद्र रहा है। इस धरती पर कभी भूत दान आंदोलन का सूत्रपात हुआ था। वही इसके बाद उदय राम मंत्री जी का भी साथ मिला है। अविभाजित मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री रहने वाले अनंत राम वर्मा जी का निवास सेलूद ही था। इसके अलावा अभी वर्तमान के कुछ साल की राजनीति का अध्यन करे तो वह भी काफी अच्छा रहा है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक दुर्ग का अध्यक्ष पद पर सेलुद निवासी जवाहर वर्मा को काम करने का मौका मिला है। इसके अलावा जिला पंचायत में सभापति के रूप में भी सुशोभित होने वाली श्रीमती जयश्री वर्मा भी सेलूद की रहने वाली है। यहां से जनपद सदस्य भी चुने गए है। इसके अलावा अभी वर्तमान में सत्ताधारी दल भाजपा का मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहू का निवास भी सेलूद ही है। इस कारण भी सेलूद का नगर पंचायत बनाए जाने का संभावना बढ़ता जा रहा है।

आइए आंकड़ों पर नजर डाले

जानकारी के मुताबिक नगर पंचायत का दर्जा देने के लिए करीब 5 हजार मतदाता का होना अनिवार्य है। अभी वर्तमान में ग्राम पंचायत सेलूद में 20 वार्ड है यहां की कुल आबादी 5500 के करीब है। वही मतदाता 4004 ही है। वही पास के गांव चुनकट्टा में 13 वार्ड में लगभग 950 मतदाता है। इस तरह से अभी आने वाले दिनों में मतदाता सूची में कुछ और नाम जुड़ेंगे तो दोनो गांव मिलाकर 5 हजार मतदाता पूरा हो जायेंगे। साथ ही आबादी संख्या भी बढ़ जाएगा।

आय का स्रोत बढ़ जाएगा

सेलूद में कई पत्थर खदान और क्रेशर संचालित है। इसके अलावा कई छोटे उद्योग भी यहां लगाए जा सकते है। इसके अलावा ग्राम चुन कट्टा को शामिल कर लिया जाता है तो वहां भी कई बड़े बड़े पत्थर खदान, क्रेशर संचालित है। खनिज रायलटी की राशि से ही कई बड़े बड़े विकास कार्य कराए जा सकते है।

संत कबीर दास एवं समाज गंगा को प्रणाम करता हूं-भूपेश बघेल

सामाजिक भवन का हुआ लोकार्पण

पाटन (समय दर्शन)। निकटवर्ती ग्राम- खपरी (चूलगहन) में परिक्षेत्र मानिकपुरी पनिका समाज के तत्वाधान में संत कबीर प्राकट्य दिवस एवं लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि भूपेश बघेल पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधायक पाटन विधानसभा क्षेत्र रहे।अध्यक्षता ललित दास अध्यक्ष प्रदेश मानिकपुरी पनिका समाज ने की।विशेष अतिथि अशोक साहू उपाध्यक्ष जिपं,राजेश ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस,रूपेंद्र शुक्ला महामंत्री जिला कांग्रेस,सुंदर दास प्रदेश उपाध्यक्ष,सुरेश दास जिला अध्यक्ष,रामदास मानिकपुरी तहसील अध्यक्ष,नीरा साहू सरपंच ने चौका आरती में सम्मिलित होकर संत कबीर दास जी को नमन किया।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सन्त कबीरदास जी के प्राकट्य दिवस पर समाज के द्वारा मुझे आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद प्रेषित करते हुए कहा कि सन्त कबीर का इस धरती में अवतरण 627 वर्ष पूर्व हुआ।संत कबीर साहेब उत्तरप्रदेश के काशी में लहरतारा तालाब पर एक कमल के फूल पर अवतरित हुए थे।नीरू-नीमा उन्हें वहां से उठाकर घर ले गए थे जो कि उनके मुँह बोले माता-पिता कहलाए।लोकवेद के कारण कबीर दास जी को पूरी दुनिया एक जुलाहा,कवि या संत मानती है।पवित्र वेद भी कबीर परमेश्वर जी की महिमा गाते हैं।संत कबीरदास जी भक्तिकाल के प्रमुख कवि व न सिर्फएक संत थे बल्कि वे एक महान विचारक और समाज सुधारक भी थे।उन्होंने अपने पूरे जीवन में समाज की बुराईयों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया और कई दोहे और कविताओं की रचना करके समाज को नई दिशा प्रदान किया है और आज भी वह प्रेरणादायक है। श्री बघेल ने आगे कहा कि भक्ति काल में जहाँ सारी दुनिया भगवान की भक्ति में लीन थी एक शख्स ऐसा था जो निराकार ब्रह्म की उपासना करता था।हम हर वर्ष ज्येष्ठ के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को कबीरदास जयंती के रूप में मानते हैं।उन्होंने हिन्दू धर्म के आडम्बरों का जम कर और डट कर विरोध किया।उनके मुताबिक हर व्यक्ति के भीतर भगवान मौजूद होते हैं,उन्हें मंदिरों में, मूर्तियों में ढूंढने के बजाये, एक दूसरे से अच्छा व्यवहार करें,इसी से हमारी भक्ति पता चलती है। कोई स्वर्ग और नरक नहीं हैं,जो है यहीं है और हमारा व्यवहार ही सब निर्धारित करता है।किसी जाति या कुल में जन्म लेने से कोई व्यक्ति बड़ा नहीं होता, बड़े उसके कर्म होते हैं व उसी से वह महान सख्सियत बनता हैं।जो धार्मिक, सामाजिक लोगो के लिए प्रेरणास्त्रोत बनते हैं। श्री बघेल जी ने आगे कहा कि हमको छत्तीसगढ़ महतारी एवं सभी समाज को सेवा करने का अवसर मिला हमने पूरी निष्ठा से किया।आज खपरी,चूलगहन में विकास कार्य की कोई कमी नहीं की,साथ ही सामाजिक बंधुओ की मांग पर सुसज्जित भवन आप सबको मिला है।जिसका लोकार्पण आज किए है।हमने कभी भी बैर भावना से कार्य नहीं किया।लेकिन आज वर्तमान सरकार बदले की भावना से राजनीति कर रही है।कई स्वीकृति सामाजिक भवनों एवं विकास कार्यों को निरस्त कर दिए है। प्रदेश अध्यक्ष ललित दास ने पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा किए कार्यों की जमकर सराहना करते हुए परिक्षेत्र मानिकपुरी पनिका समाज के लिए लगभग 20 लाख का भवन का लोकार्पण हुआ,जिसके लिए समाज के तरफसे धन्यवाद प्रेषित किया। उपाध्यक्ष अशोक साहू ने इस अवसर पर कहा कि कबीर दास जी का जीवन बेहद संघर्षपूर्ण रहा परन्तु वे अमर हो गए और वे पने महान विचारधारा के कारण आज भी हमारे बीच मौजूद हैं। उन्होंने स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की लेकिन उनकी रचनाएँ हमें 'बीजक' जैसे ग्रन्थ में मिलते हैं, जिसे इनके शिष्यों ने लिखा है। इसमें मौजूद सभी दोहे व अन्य रचनाएँ कबीर दास जी के ही हैं।

मंच संचालन पुरषोत्तम धनकर एवं आभार रामदास मानिकपुरी ने किया। इस अवसर पर परिक्षेत्र मानिकपुरी पनिका समाज के अध्यक्ष परदेशी दास,उपाध्यक्ष गोकुल दास,सचिव हिम्मत दास, गिरधर दास,नंदू दास, अशोक दास,रोहित दास, भगत दास,नोहर दास,रूप दास, भोज रघुवंशी,देवकुमार निषाद, भविष्य जैन,सुमीत विश्वकर्मा, सरपंच अशोक रिंगवानी, सीता सिन्हा, भेद वर्मा, ईश्वर निषाद, संतोष पटेल, टिकेंद्र वर्मा,अशोक कुलदीप, पुलस्य साहू,गणेश साहू, इतवारी साहू, ओमप्रकाश रघुवंशी,राहुल रघुवंशी,यादव सेन, भानू वर्मा, लक्ष्मी सिन्हा, आयुष टिकरिहा आदि उपस्थित थे।

बड़े लोरम का गली कीचड़ युक्त, ग्रामीणों की बढ़ी मुसीबत, शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नही

बसना(समय दर्शन)। ग्राम पंचायत बड़े लोरम के ग्रामीण इन दिनो कीचड़ से परेशानियों का सामना कर रहे है। उनके लिए इस रास्ते से गुजरना चुनौती भरा सफर हो गया है। यहां सीसी रोड का निर्माण 15 वर्ष पूर्व किया गया था। तबसे आज पर्यंत तक ग्राम के इस मुख्य मार्ग का जीर्णोद्धार नही हुआ है, न ही नाली का निर्माण हुआ है । नाली के अभाव मे घरों से निकलने लाले निस्तारी का पानी भी रोड मे बह रहा है।

जिससे ग्रामीण जीवन अस्त व्यस्त हो चुका है। वार्ड नंबर 1 और वार्ड नंबर 11 की गली मे गर्मी के दिनों में भी चलना दूभर होता था और अब बारीस के समय मे स्थिति दयनीय हो जाता है। यहां पंचायत स्तर पर उपलब्ध कराई गई पानी की व्यवस्था जो कि सीसी रोड पर गिरती है तथा अतिरिक्त पानी, निकासी के लिए उत्तम व्यवस्था नहीं होने से सीसी रोड पर ही बहकर आगे कीचड़ में तब्दील हो जाता है। प्रतिदिन गाँव के सैकड़ों लोग इसी गली मोहल्ले में आवागमन कर अपना जीवन निर्वाह कर रहे हैं । स्कूली बच्चे इसी रास्ते से होकर स्कूल जाते हैं। महिलाएं घर से पानी भरने के लिए भी इसी रास्ते का इस्तेमाल करते है। क्योंकि दूसरा कोई विकल्प नहीं है। बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह रास्ता चुनौती बन चुका है। बरसात के दिनो मे कीचडयुक्त इस गली मे चलना खतरे से खाली नही है। यहाँ पैदल चलना,साइकिल, दुपहिया वाहनों को फिसलकर गिरने का भय बना रहता है। शासन प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। गाँव के पंच सरपंच सभी इस समस्या से भलीभांति अवगत हैं ,, फिर भी उनके द्वारा इस समस्या के समाधान के लिए उचित कदम नही उठाए जा रहे। ग्राम पंचायत बड़े लोरम 1200 जनसंख्या वाला यह गांव परसवानी से मात्र 3 किलोमीटर की दूरी पर है।रोड के साथ बनी नाली भी मिट्टी से पटकर जीर्ण हो गया है। गाँव में सफाई व्यवस्था के अभाव मे बदबू और मच्छर पनपने लगे हैं,, जो किसी बीमारी को न्योता दे रहे हे। गाँव की वर्तमान स्थिति के अनुसार गाँव मे निस्तारी का अतिरिक्त पानी की निकासी हेतु बड़ी पक्की नाली की आवश्यकता है।

कबीर दास के दोहे अब भी दुनिया में प्रासंगिक - चातुरी नंद

सरायपाली (समय दर्शन)। कबीर दास कुरीतियों पर कड़ा विरोध करने वाले थे। उन्होंने जीवन जीने के लिए कई शिक्षाएं बहुत ही साधारण एवं सरल भाषा में दी है। जीवन में गुरु के महत्व को भी बताया है। कबीर दास जी के दोहे अब भी दुनिया में प्रासंगिक है।

उक्त बातें क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद ने कबीर साहब प्राकट्य दिवस के अवसर पर ग्राम बिछिया में कहीं। कार्यक्रम में विधायक चातुरी नंद ने कबीर का दोहा गाकर सुनाया जिसे सुनकर उपस्थित कबीर साधकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उत्साह बढ़ाया। इस दौरान विधायक ने कबीर साधक साथियों के साथ समय बिताया। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष मानिकपुरी पनका समाज, तुलसी दास, विष्णु दास, इंद्रजीत दास समेत ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्रतिभागियों को बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल एवं महासमुन्द विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने दिये शुभकामनाएँ

सिरपुर(समय दर्शन)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य स्तरीय 7 दिवसीय आवासीय आत्म रक्षा प्रशिक्षण शिविर का भव्य आयोजन यज्ञ शाला भवन सिरपुर मे किया गया।

दिनाक 14 से 20 जून जिसमें 17 जिले से 262 प्रतिभागियों ने भाग लेकर आत्म रक्षा प्रशिक्षण लिया एवं विभिन्न विधाओं को सिखा किक , पंच, ब्लाक काता, कुमिते , सेफडिफेंस , आंख नाक और शरीर के विभिन्न कमजोर जगहों पर वार कर अपनी रक्षा करने के लिए प्रशिक्षण लिया। जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार घृतलहरे महासमुंद ने स्वयं उपस्थित होकर कार्यक्रम मे प्रशिक्षको को मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्रदान कर सभी को आगे बड़ने हेतु दिशा निर्देश दिए एवं जिला प्रशासन महासमुंद की और से सभी कोच एवं खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं उज्जल भविष्य की कामना किये। कार्यक्रम के आयोजक उपेंद्र प्रधान सचिव जिला शोतोकान कराते संघ महासमुंद ने बताया कि, धमतरी से रघुनाथ नेताम, योगेश साहू, बालोद से रवीना साहू तनुज यादव,एम सी बी जिला से तुलेष त्रिवेदी जी , गरियाबंद से बाला राम,भगवती बांधे, महासमुंद से दिजेंद्र कुर्रे संजय पंडा ,मीरा पंडा ,राजेश , जगन्नाथ, दीपक निषाद,राकेश, विजय,दलेश्वर सरोजनी, योगेश्वरी सारंगढ़ से सी एल साहू , अश्वनी जांगड़े बलोदाबाजार से धनी राम निराला, रायगढ़ से धनुर्जय चौधरी जांजगीर से रवि पाण्डेय, आस्था तिवारी, सुनील जांगड़े भागवत, रायपुर से ओमप्रकाश, महेश्वरी कोरिया से विद्यासागर आदि 17 जिले के मास्टर ट्रेनरो भाग लिया। सभी को 7 दिन तक ट्रेनिग दिया गया एवं आत्म रक्षा की कला में दक्ष किया। उपेंद्र प्रधान की ने जिला प्रशासन एवं उपस्थित समस्त प्रशिक्षको का आभार व्यक्त किया। स्थानीय विधायक योगेश्वर राजू सिंन्हा, एवं डाक्टर संपत अग्रवाल विधायक बसना , पुरषोत्तम घृतलहरे जनपद सदस्य पिथौरा,ने बधाई देते हुते कार्यक्रम की सराहना की।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पंचायत सचिवों के परिवारों को दिया उपादान राशि एवं अनुकंपा नियुक्ति आदेश

कवर्धा (समय दर्शन)। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री, पंचायत एवं ग्राम विकास विभाग विजय शर्मा ने ग्राम पंचायत सचिव के पद पर त्वरित रूप से अनुकंपा नियुक्ति के साथ उपादान की राशि का चेक प्रदान कर मानवता की नई मिसाल पेश की है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुशीला भट्ट भी उपस्थित थी। दिवंगत सचिव के परिवार के सदस्यों को छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा उपादान की राशि का चेक एवं अनुकंपा नियुक्ति आदेश प्रदान किया गया जो है जो परिवार के लिए एक महत्वपूर्ण सहारे के रूप में है।

ज्ञात हो कि स्वर्गीय प्यारेलाल मेरावी सचिव संलग्न जनपद पंचायत बोड़ला की मृत्यु 8 मई 2024 को एवं स्वर्गीय नसरुद्दीन खान सचिव ग्राम पंचायत चांदैनी जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा की आकस्मिक मृत्यु 24 अप्रैल 2024 को हो गई थी। जिला प्रशासन ने अनुकंपा नियुक्ति प्रकरण पर त्वरित कार्रवाई की है। सचिव स्वर्गीय प्यारेलाल मेरावी की नॉमिनी श्रीमती गंगोत्री मेरावी निवासी ग्राम पंचायत बोरिया को उपादान की राशि 6 लाख 48 हजार 5 रुपए एवं पारस मरावी को ग्राम पंचायत सचिव के पद पर नियुक्त करते हुए जनपद पंचायत बोड़ला में पदस्थापना दिया गया है। इसी तरह स्वर्गीय सचिव नसरुद्दीन खान की नॉमिनी श्रीमती रुखसाना खान निवासी ग्राम पंचायत बचेडी को 6 लाख 48 हजार 5 रुपए उपादान की राशि प्रदान करते हुए उनके पुत्र श्री ताहिर खान को ग्राम पंचायत सचिव के पद पर पदस्थ करते हुए जनपद पंचायत स.लोहारा में पदस्थापना किया गया है।

उल्लेखनीय है कि विभाग अंतर्गत कार्यरत सचिवों के आकस्मिक मृत्यु उपरांत अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर जनमेजय महोबे द्वारा त्वरित संज्ञान लिया गया। जिस पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप कुमार अग्रवाल द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए दिवंगत सचिव के परिवारों के आवेदनों का परीक्षण कर संबंधित नॉमिनी एवं अनुकंपा नियुक्ति हेतु पात्र अभ्यार्थियों का दस्तावेज परीक्षण कर तत्काल राहत प्रदान की गई।

विश्व संगीत दिवस पर बसुदेवा गीत केन्द्रित इन्टैक महासमुन्द अध्याय का अनूठा आयोजन

छत्तीसगढ़ अंचल में लगभग तीन सौ साल पुराना है बसुदेवा समुदाय का इतिहास

शंकर लहरे

महासमुंद/(समय दर्शन)। प्राचीन विरासतों के संरक्षण के लिए प्रयासरत भारतीय सांस्कृतिक निधि(इन्टैक)के महासमुंद अध्याय ने महासमुंद जिले के पिथौरा में विश्व संगीत दिवस के अवसर पर विगत 21 जून,शुक्रवार को एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया जो छत्तीसगढ़ के विलुप्तप्राय बसुदेवा गीतों पर केन्द्रित रही।इन गीतों के बारे में व्याख्यान हुए और इनका गायन भी हुआ।

दरअसल 'बसुदेवा' शब्द 'वासुदेव' का अपभ्रंश है,कुछ लोग बोलचाल में इसे' बसदेवा'भी कहते हैं।इन्टैक ने यह कार्यक्रम श्रृंखला साहित्य मंच,पिथौरा के सहयोग से आयोजित किया,सभी वक्ताओं ने इन विलुप्तप्राय गीतों की समृद्ध विरासत के संरक्षण की जरूरत पर बल दिया।

इस कार्यक्रम में पिथौरा के वासुदेवपारा निवासी जगदीश वासुदेव महाराज और उनके सहयोगी खोरबाहरा प्रसाद वासुदेव महाराज ने परम्परागत वासुदेव गीतों का गायन किया।

जगदीश महाराज ने बताया कि उनके वासुदेव समुदाय का इतिहास छ्त्तीसगढ़ अंचल में लगभग तीन सौ साल पुराना है,ये गीत भी उसी समय से पीढ़ी-दर-पीढ़ी गाते आ रहे हैं। उन्होंने अपने गायन में श्रीकृष्ण,राजा दशरथ और श्रवण कुमार की कहानियों को पारम्परिक बसुदेवा गीतों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

इन गीतों के माध्यम से उन्होंने समाज के लिए प्रेरक संदेश देने का प्रयास किया। निकटवर्ती ग्राम-सांकरा (जोंक) निवासी प्रसिद्ध रामायणी,संगीतकार तथा गायक जवाहरलाल नायक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की,यह आयोजन वेदमाता

गायत्री मन्दिर परिसर पिथौरा के सभागृह में किया गया।

आयोजन के मुख्य वक्ता छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध उपन्यासकार और कहानीकार शिवशंकर पटनायक ने वासुदेव गीतों के इतिहास और उनके विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कई विद्वानों के उद्धरण भी दिए।

मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कवि,साहित्यकार व पत्रकार स्वराज्य करुण और विशेष अतिथि के रूप में भोपाल(मध्यप्रदेश)से आए लेखक एवं चिन्तक विक्रमादित्य सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित किया। विक्रमादित्य सिंह मूलतः छत्तीसगढ़ के बागबाहरा(जिला -महासमुंद) के निवासी हैं । स्वराज्य करुण ने बसुदेवा गीतों के साथ-साथ अन्य विलुप्त हो रहे लोकगीतों के संरक्षण के लिए इन्हें लिपिबद्ध करने और इसके लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी के अधिक से अधिक उपयोग की आवश्यकता प्रकट की,उन्होंने कहा कि कुछ कलाप्रेमियों ने कई बसुदेवा गीतों को यूट्यूब पर भी अपलोड किया हुआ है,उनका प्रयास सराहनीय और अनुकरणीय है। विशेष अतिथि के रूप में माँ गायत्री शक्तिपीठ पिथौरा के प्रमुख ट्रस्टी तुकाराम पटेल भी उपस्थित थे। आयोजन में इन्टैक महासमुंद अध्याय के संयोजक दाऊलाल चन्द्राकर, सह-संयोजक बंधु राजेश्वर खरे और पिथौरा के अनंत सिंह वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए द्य

कार्यक्रम का संचालन बागबाहरा के रूपेश तिवारी और पिथौरा के उमेश दीक्षित ने किया । इस अवसर पर महासमुंद से आए प्रसिद्ध कवि अशोक शर्मा,मानक नामदेव,इन्टैक सरायपाली अध्याय के संयोजक यशवन्त चौधरी,श्रृंखला साहित्य मंच पिथौरा के अध्यक्ष प्रवीण प्रवाह,सचिव संतोष गुप्ता,श्रृंखला से ही शशि कुमार डड़सेना एफए. नंद,मन्नू ठाकुर,नरेश नायक,माधव तिवारी,गुरप्रीत कौर चमन,जितेश्वरी साहू डॉ.सरोज साव सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे,कार्यक्रम के अंत में जवाहर नायक और उनकी सुपुत्री कमला नायक ने अंचल के प्रसिद्ध कवि स्वर्गीय मधु धांधी के छत्तीसगढ़ी गीतों की संगीतमय प्रस्तुति दी, उल्लेखनीय है कि 21 जून को स्वर्गीय मधु धांधी का जन्म दिन भी था, अतिथियों ने वेदमाता गायत्री की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

संक्षिप्त समाचार

डीएवी किरंदुल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

किरंदुल (समय दर्शन)। डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बड़े ही शानदार ढंग से किया गया । योग प्रशिक्षक के रूप में दुलेश्वरी साहू एवं दीपक साहू जी ने डीएवी में योगाभ्यास का प्रशिक्षण दिया योग स्वयं एवं समाज के लिए के थीम पर विद्यालय में 100 से भी अधिक शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया योग के सारे आसनों के माध्यम से योग का अच्छे ढंग से अभ्यास किया गया विद्यालय के प्राचार्य श्री पी एल वर्मा ने इस अवसर पर कार्यक्रम की सफलता पर सभी को बधाई दी एवं स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है का संदेश दिया । इस अवसर पर विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया ।साथ ही योग को अनिवार्य रूप से अपने दिनचर्या में शामिल करने का आवाहन किया ताकि स्वस्थ रहकर हम अपने देश के विकास में योगदान दे सकें।

छत्तीसगढ़ प्रदेश सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ के अनिश्चित कालीन आंदोलन का समर्थन

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ जिला शाखा दंतेवाड़ा के द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ द्वारा तीन सूत्रीय माग 1 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारीयों के लंबित कार्य आधारित वेतन क्क्क का भुगतान माह मई 2024 का पूर्ण किया जावे एवं आगामी माह से नियमानुसार प्रत्येक माह के 15 तारिक के भीतर भुकतान करना सुनिश्चित किया जावे 2 महिला सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारीयो के सुरक्षा को मद्देनज़र रखते हुऐ उनके गृह मे स्थानान्तरण देने हेतु छूट प्रदाय किया जावे एवं मुख्यालय निवास का दायरा मुख्यालय से 8 कि. मी.की परिधि मे निवास करने हेतु छूट दिया जावे 3 श्री पवन वर्मा जिला सयोजक कांकेर की सेवा समाप्ति के आदेश को तत्काल निरस्त कर सेवा मे बहाल करते हुए दोषी अधिकारीयो के ऊपर नियमानुसार कार्यवाही किया जावे को लेकर अनिश्चित कालीन आंदोलन का समर्थन दिया है जिसमे जिलाध्यक्ष आर के जाटव जिला उपाध्यक्ष चंचल कुमार देवांगन सचिव मोहन सम्राट कोषाध्यक्ष एच आर केकम ,सुशील कुमार गुप्ता, सी एच ओ संघ जिला अध्यक्ष अंजू , गौरव मिश्रा,ममता सोनी,विद्या हालदार, वनिष्टा ,सूरज कर्मकार,दिव्य सिदार,रूबीना मरकाम ,सविता नाग आदि उपस्थित थे।

पीएम जनमन योजना से पक्के मकान का सपना हुआ साकार

बिलासपुर (समय दर्शन)। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के लिए स्वयं का आवास एक सपने से कम नहीं होता है। सुदूर वनांचलो में रहने वाले बैगा और बिरहोर आदिवासियों के लिए भी पहले खुद का पक्का मकान एक सपने जैसा था, लेकिन पीएम जनमन योजना से उनके लिए विकास के रास्ते खुल गए। पक्के मकान सहित बिजली, पानी, सड़क , स्वास्थ्य जैसी अन्य सुविधाएं इस योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों को उपलब्ध कराई जा रही है। कोटा ब्लॉक के उमरिया दादर में रहने वाले श्री सुंदर सिंह बिरहोर के लिए भी यह योजना वरदान साबित हुई है। उन्हें अब कच्चे मकान के डह जाने और बरसात की सीलन भरी दीवारों से छुटकारा मिल चुका है। सुंदर सिंह बिरहोर ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत आवास निर्माण के लिए 2 लाख रुपए की राशि चार किश्तों में मिली। पहली किश्त आवास शुरू करने के लिए 40 हजार रुपए, दूसरी किश्त लेंटर स्तर पर होने पर 60हजार रुपए, तीसरी किश्त रूफटॉप के निर्माण पर 80 हजार रुपए और आवास पूरा होने पर 20 हजार रुपए दिए गए। इसके अलावा मनरेगा से 90 दिन का रोजगार भी मिला। उन्होंने बताया कि काफी वर्षों तक उन्हें कच्चे मकान में रहना पड़ता था, छत टपकती थी जिससे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। बारिश में सीलन की वजह से कई बीमारियों की भी आशंका बनी रहती थी। लेकिन अब उन्हें इन सारी चिंताओं से मुक्ति मिल गई है। वे इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का धन्यवाद करते हुए कहते हैं कि उनके जैसे हजारों लोगों के लिए योजना वरदान साबित हुई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने की सौजन्य मुलाकात

बिलासपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज यहां उनके निवास कार्यालय में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के राज्यमंत्री तोखन साहू ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय राज्यमंत्री श्री साहू का अपने निवास में आत्मीय स्वागत किया और उन्हें केंद्रीय राज्य मंत्री बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय राज्यमंत्री श्री साहू के साथ छत्तीसगढ़ में आवास और शहरी विकास की योजनाओं को गति देने से संबंधित विषय पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा सहित केंद्रीय राज्यमंत्री श्री साहू के साथ आए बिलासपुर, लोरमी, तखतपुर, मुंगेली क्षेत्र के नागरिक उपस्थित थे।

सार समाचार

घर के बाहर खड़ी होण्डा साइन बाइक पार

रायपुर(समय दर्शन)। शिव नगर मठपुरैना में घर के बाहर खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी चितरंजन सोनी 44 वर्ष शिवनगर मठपुरैना का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी होण्डा साइन बाइक क्रमांक सीजी 04 एचएक्स 6091 को घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

आलमारी से जेवर पार

रायपुर(समय दर्शन)। देवेन्द्र नगर सेक्टर 2 स्थित मकान से अज्ञात चोर ने आलमारी में रखे सोने का हार व बाली पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी विरेन्द्र गावरी 59 वर्ष गीतानगर चौबे कालोनी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी के बहू पलक गावरी का मकान देवेन्द्र नगर सेक्टर 2 में है। जहां से अज्ञात चोर ने आलमारी में रखे सोने का हार व बाली पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 85 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

हाइवा ने बाइक सवार को रौंदा

रायपुर(समय दर्शन)। निमोरा ओव्हरब्रीज के पास एक तेज रफ्तार हाइवा वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में राखी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं हाइवा वाहन को जब्त कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक करण कुमार साहू 19 वर्ष ग्राम समोदा का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह अपनी बाइक से कहीं जा रहा था, तभी निमोरा ओव्हरब्रीज के पास हाइवा वाहन क्रमांक सीजी 05 एएन 4805 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे करण कुमार की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सांसद का केंद्रीय राज्य मंत्री बनना छत्तीसगढ़ के सभी वर्गों और प्रदेश की जनता के लिए गर्व का विषय है : कौशिक

देश के विकास के लिए निरंतर काम कर रहे हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी : तोखन साहू

रायपुर(समय दर्शन)। बिल्हा विधानसभा क्षेत्र के बिल्हा नगर पंचायत में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक के नेतृत्व में बिल्हा विधानसभा क्षेत्र के बिल्हा नगर पंचायत में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री साहू ने कहा कि मेरे गांव के लोगों ने पंच बनाया फिर सरपंच जनपद सदस्य और फिर मुझे लोरमी विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया और जीत कर पहली बार विधायक बना उस समय तत्कालीन डॉ. रमन सिंह सरकार ने मुझे पहली बार संसदीय सचिव बनाया। अभी संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बिलासपुर लोकसभा से टिकट दिया और आज जनता ने मुझे चुनकर सांसद बनाया भगवान और आप सब सभी लोगों की कृपा है कि पहली बार के

सांसद को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मंत्रिमंडल में शामिल कर राज्य मंत्री बनाया है। मैं केंद्रीय मंत्री होने के नाते पूरे छत्तीसगढ़ की सेवा करूंगा।उन्होंने ने जीत के लिए बिलासपुर और छत्तीसगढ़ जनता का आभार व्यक्त किया. साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के मंत्रीमंडल में शामिल होना गर्व की बात कही। वहीं, तोखन साहू ने देश प्रदेश में डबल इंजन की सरकार के में तेजी से विकास करने की बात भी कही। इस अवसर पर बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश की जनता ने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाया है. डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास होगा. हम सब मिलकर काम करेंगे। छत्तीसगढ़ व देश का गौरव बढ़ाने काम करेंगे। बिलासपुर सासंद एक छोटे नेता से बिलासपुर सांसद और अब मोदी सरकार में केंद्रिय राज्य मंत्री बनने का सफर तय किए है। भारतीय जनता पार्टी सभी कार्यकर्ताओं का ध्यान रखती है। उन्होंने कहा कि तोखन साहू को शहरी राज्य विकास विभाग मिला है। राज्य बनने के बाद पहली बार प्रदेश के किसी सांसद को यह विभाग मिला है। प्रदेश को यह विभाग मिलने से केंद्र से नगरीय निकायों के भरपूर राशि मिलेगी। विकास के कार्यों में तेजी भी आएगी। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, मंडल अध्यक्ष हरिशंकर वर्मा, कैलाश ठाकुर, बलराम देवांगन, सोमेश तिवारी, पेंगन वर्मा, अंबालिका साहू, पुनिता डहरिया, नरेन्द्र वर्मा, रामू साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित हुए।

महतारी वंदन योजना: लक्ष्मी की बदल रही तकदीर

जून माह में चतुर्थ क़िस्त के रूप में 50 करोड़ 93 लाख 36 हज़ार 9 सौ रुपए महिलाओं के बैंक खाते में ज़ारी किए गए हैं

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वकांक्षी योजना महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। योजना का मूल उद्देश्य अब कारगर होता दिखाई दे रहा है। रायपुर की श्रीमती लक्ष्मी फुटान ने सपना संजोया था, जिसे अपनी आर्थिक तंगहाली की वजह से पूरा नहीं कर पाई थी, महतारी वंदन योजना से उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है। श्रीमती लक्ष्मी घर का कामकाज संभालती है। उनके पति श्री गोपाल फुटान रोजी-मजदूरी करते है। श्रीमती लक्ष्मी बताती हैं कि पति की कमाई से घरेलु खर्च तो चल जाता था पर छोटी-मोटी जरूरतें की चीजों को खरीदने में काफी परेशानी उठानी पड़ती। होती थी। अब उन जरूरतों को वह इस योजना से मिली राशि से पूरा कर रही हैं और बचत भी कर रही है। श्रीमती लक्ष्मी ने कहती है कि सोने-चांदी के जेवर पहनने का मन काफी समय से है, लेकिन माली हालत उतनी अच्छी नहीं थी, जिससे वे जेवर खरीद सके। अब सपने पूरा करने के लिए वे प्रतिमाह बैंक अकाउंट में योजना से मिलने वाली राशि को इकट्ठे कर रही है। जिससे वे जेवर की खरीदी कर सके। श्रीमती लक्ष्मी यह भी कहती है कि बहुत खुशी होती है कि घर बैठे इतनी राशि मिल रही है। उनके दो बच्चे टीकम और धनेंद्र के भविष्य की चिंता भी थी, हमेशा यही लगता था कि मैं भी थोड़ा आर्थिक रूप से मजबूत होने के लिए कुछ काम करूं, पर राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना से राशि प्रतिमाह मिल जाती है, उस पैसे की बचत कर बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित कर रही हूं। साथ ही अब घर की छोटी-मोटी चीजों को खरीदने के लिए पति पर आश्रित रहने की जरूरत नहीं पड़ती है। कुछ घरेलु खर्च होता है तो खुद पूरा कर लेती है। अब पैसों के लिए दूसरे के सामने हाथ फैलाना नहीं पड़ता है। श्रीमती लक्ष्मी कहती है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने महिलाओं के हित में एक बड़ा फैसला लिया है। मेरे जैसे लाखों महिलाओं को अपने सपने पूरे करने के अवसर मिल रहें है। इसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद करते हैं। वे यह भी बताती है कि खान-पान भी बेहतर होता जा रहा है। राशन और घर की अन्य चीजें भी खरीदने के लिए कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ती है।

जिले में शुरू होगा नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान

कलेक्टर ने ली बैठक, मास्टर ट्रेनर तैयार करने के दिए निर्देश

रायपुर(समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान से लेकर बैठक ली। उन्होने कहा कि यह अभियान जल को संरक्षित करने के लिए शुरू किया जाएगा। इसमें महिला शक्तियों को जोड़ा जाना चाहिए, जो आमजनों को जल संरक्षित करने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि इसमें जल जागरूकता रैली निकाली जाएगी और जितने भी पंचायतों में जल स्त्रोत हैं उनके साफ-सफाई के कार्यक्रम होगें। वर्षा के जल को कैसे संरक्षण किया जाना है उसके लिए लोगों को प्रेरित किया जाना होगा। बैठक में नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत के सीईओ श्री विश्वदीप उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ सिंह ने मास्टर ट्रेनर तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा सिंचाई विभाग के सभी उप अभियंता

और नरेगा के तकनीकी सहायक है उन सभी को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। जो वे गांव में जाकर महिला समूहों को प्रशिक्षित कर जल वाहिनी दीदियाँ को तैयार करेंगे। बैठक में बताया गया कि इसके अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों को सभी पंचायतों में जल संरक्षण के प्रति जागरूक करेंगे। विशेष रूप से उन पंचायतों में फोकस किया जाएगा, जहां पर हमारा जल स्तर बहुत ही नीचे है। जहां पर ज्यादा वाटर रिचार्ज की आवश्यकता है। इस अभियान में विशेष रूप से जो स्व-सहायता समूह की महिलाएं है गांव की महिलाएं है। उनको हमे प्रेरित करके आगे लाना है। उनके द्वारा ही जल शक्ति जल संरक्षण का कार्य ग्राम पंचायतों में किया जाना है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं-सहायिकाओं को समय पर नहीं मिल रहा मानदेय

अधिकारियों पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप

रायपुर(समय दर्शन)। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के सब्र का बांध टूटने के कगार पर है। मानदेय में वृद्धि होने के बाद भी अधिकांश आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को अब तक यह राशि अप्राप्त है। इसके अलावा मानदेय काटने की धमकी, अधिकारियों पर मानसिक रुप से प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने इसका जोरदार विरोध करने का मन बना लिया है। इसी संबंध में धरसींवा-1 में एक बैठक आहूत की जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आंगनबाड़ी में कार्यरत कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं पर काम

का बोझ बढ़ा दिया गया है। 10 हजार रुपए मानदेय होने के बाद भी हजारों बहनों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। अधिकारियों से बात करने पर राशि आबंटित न होने की बात कहकर टाल दिया जाता हे। इसके अलावा अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को रजिस्टर मेंटेन करने, पूरी योजनाओं का रजिस्टर तैयार करने अतिरिक्त दबाव दिया जा रहा है। इसके अलावा अन्य कामों को लेकर भी सुपरवाइजर, अधिकारी लोग रोज मानसिक प्रताड़ना दिए जाने का आरोप लग रहा है।

हल्की बारिश से सड़कों पर जमा हुआ पानी

रायपुर(समय दर्शन)। अभी मानसून की शुरूआत हुई है। पूरी बरसात सामने है। बावजूद इसके साफ सफाई के मामले में नगर निगम की लापरवाही दो दिन से हो रही वर्षा के दौरान सामने आई है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित सड़कों पर हल्की बारिश होने से सफाई के अभाव में पानी जमा होने से आवाजाही प्रभावित हुई है। वहीं अधिकांश क्षेत्रों में वर्षा पूर्व सड़कों के संधारण का कार्य पूर्ण नहीं होने के कारण लोग काफी नाराज है। इस संबंध में आज जोन क्रमांक तीन के अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्षेत्रों यथा पार्वती नगर, अमन नगर, पारस नगर, जगन्नाथ नगर, शक्ति नगर, बड़ा नाला एवं अन्य क्षेत्रों में सफाई के अभाव में वहां स्थित नालियों का कचरा गलियों में नजर आया। इस संबंध में दुलारी बाई ध्रुव मनटोरा बाई यादव, मनोज तांडी, शंकर तांडी, आदि ने जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में नगर निगम के जोन क्रमांक 3 के अधिकारियों को अवगत लिखित में कराया गया था इसके बाद भी नालियों की सफाई नहीं होने के कारण बदबू के मारे लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। नीलिमा तांडी ने वार्ड पार्षद एवं जोन आयुक्त से भारी वर्षा होने के पूर्व नालियों की सफाई कचरों की ढेर उठवाने की मांग की है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नई दिल्ली में प्रार्थना सभा के दौरान अजय माकन की मां संतोष माकन के लिए प्रार्थना की।

नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी, रायपुर में इन्फ़र्टिलिटी जागरूकता माह के लिए वॉकेथॉन का आयोजन किया गया

रायपुर। नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी द्वारा मरीन ड्राइव, रायपुर मेंइन्फ़र्टिलिटी जागरूकता माह के अवसर पर वॉकेथॉन काआयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन 23 जून कोकिया गया और इसका उद्देश्य इन्फ़र्टिलिटी से संबंधित भ्रांतियोंको दूर करना एवं इसके बारे में खुली बातचीत को बढ़ावा देनाथा। इसका कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि, सुश्री ललिता मेहर ङ्क डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस और नोवा आईवीएफफर्टिलिटी में फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, डॉ. पौलमी डे द्वारा किया गया। इसमें इन्फ़र्टिलिटी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए80 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। नोवा आईवीएफफर्टिलिटी रायपुर में फर्टिलिटी कंसल्टैंट, डॉ. पौलमी डे ने कहा, इन्फ़र्टिलिटी की समस्या केवल बड़े शहरोंमें ही नहीं, बल्कि छोटे शहरों में भी फैल रही है। उन्होंने कहा, रायपुर में 35-40त्न महिलाओं में पीसीओएस (हार्मोनलविकार) और 50त्न पुरुषों में शुक्राणु अस्वस्थ हैं। बढ़तीइन्फ़र्टिलिटी का मुख्य कारण तंबाकू, ख़ासकर गुटखे का उपयोग करना है, जिससे पुरुषों की फर्टिलिटी पर असर पड़ता है। साथ ही, पुरुष बॉडीबिल्डिंग के लिए स्टेरॉयड का उपयोगभी करते हैं, जिससे उनकी फर्टिलिटी कम हो जाती है।

बलौदाबाजार की घटना में कांग्रेस नेताओं का नाम लेने पुलिस दबाव बना रही है

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पत्रकारों से चर्चा

रायपुर(समय दर्शन)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि गिरौदपुरी के महकोनी गांव में 15-16 मई को जैतखाम को क्षति पहुंचाया गया था उसके बाद लगातार धरना प्रदर्शन और 10 तारीख को बलौदाबाजार में विरोध प्रदर्शन हुआ था। प्रदर्शन के दौरान असामाजिक तत्वों ने वाहनों को जलाया, कलेक्टर और एसपी कार्यालय को जलाया, आबकारी विभाग को जलाया और उसके बाद जो पुलिस का आतंक उसी समय से शुरुआत हुई है। जो भी सफेद कपड़े पहने थे उसे दौड़ा-दौड़ाकर मारना पीटना, चमड़ी निकल जाने हद तक के पिटाई की गयी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि किशोर नवरंगे बलौदाबाजार में आयोजनकर्ता में से एक है उसे पुलिस ने गिरफ्तार

किया है, वो पुलिस रिमांड पर है। उसके पिताजी, उसके भाई और उसके जीजाजी साथ सतनामी समाज के लोग मिलने आये और उन्होंने मुझे आवेदन दिया है। इस आवेदन में गंभीर बातें कही गयी है। उसके साथ मारपीट की जा रही, उसे मानसिक प्रताड़ता दी जा रही है, भोजन नहीं दिया जा रहा है और गाली-गलौज कर रहे है। गंभीर बात यह है कि वो कह रहे है कि कांग्रेस के बड़े नेताओं का नाम ले तो उन्हें छोड़ देंगे। उससे गंभीर बात ये है कि वहां कलेक्ट्रेट ले जाते है रोज शाम को वीडियोग्राफी करते है उसके हाथ में पत्थर पकड़ाया जाता है उसे फेकवाते हुये, उसे डंडा पकड़ाते है, उसे मारते हुये उसे वीडियोग्राफी कर रहे है। पीड़ित के परिजनों का आवेदन आया है वो बहुत ही गंभीर है। सरकार खुद षड़यंत्र कर रही है अभी समाज के जो डिमांड है जैतखाम को किसने क्षति पहुंचायी उस पर पुलिस जांच नहीं कर रही है। बल्कि इस घटना को दूसरे दिशा में ले जाने का षड़यंत्र किया जा रहा है कांग्रेस नेताओं का नाम लो इस प्रकार से सरकार में बैठे हुये लोगों के दबाव में पुलिस इस प्रकार की कृत्य कर रही है। घोर निंदनीय है। निष्पक्ष जांच होना चाहिये। इस प्रकार से प्रताड़ित नहीं किया जाना चाहिये। जिस प्रकार से पुलिस स्टोरी बना रही है उसे ले जा रहे है आक्रोशित मुद्रा में उसे डंडा पकड़ा कर, पत्थर फेकवाया जा रहा है। ये बेहद ही गंभीर मामला है। इस प्रकार की जो षड़यंत्र भाजपा की सरकार और उसके अधिकारी, पुलिस लोग कर रहे है इस प्रकार से नहीं किया जाना चाहिये। जो भी अपराधी पकड़ा जाये। जिन्होंने गलत किया है उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये। इस प्रकार से षड़यंत्र सरकार के द्वारा सरकार में बैठे हुये लोगों के निर्देश पर जो किया जा रहा है बेहद गंभीर मामला है। इसकी निंदा करता हूं और चेतावनी देता हूं कि कोई भी इस प्रकार की षड़यंत्र न करे, इतने बड़े हादसा को दूसरे दिशा ले जाने की कोशिश षड़यंत्र किया जा रहा है बिल्कुल गलत है और बिल्कुल नहीं होना चाहिये। शासन और प्रशासन के मिलीभगत बिना इतनी बड़ी घटना नहीं हो सकती। जो बैरिकेंटिंग किया गया था उससे लोग रास्ते से जा सकते थे। ना वहां वाटर केनल, न आंसू गैस नही था। प्रत्यक्षदर्शी बता रहे है कि सतनाम भवन की गाड़ियों को पुलिस वाले खुद जलाये है। पूरे छत्तीसगढ़ में विद्वेष फैलाने की यह पहली घटना है। कलेक्टर आफिस का जलना पूरे देश में पहली घटना है। सब जान गये है कि शासन के द्वारा बैठे लोगों के द्वारा सब कराया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष के साथ 14 तारीख को गये थे, उस समय लोगों ने बताया कि घर-घर में जाकर पुलिस मारपीट कर रही है और बेवजह तंग भी कर रहे है। उस समय हमने कहा था वास्तव में जो अपराधी है उसके खिलाफसख्त कार्यवाही होना चाहिये। जो निरापराध है उनको किसी प्रकार के प्रताड़ना नहीं किया जाना चाहिये। लगातार इस प्रकार से घटनायें हुई। हमने कुछ सवाल किये थे कि जैतखाम जिन्होंने काटा पुलिस जो कह रही है उसके जो मालिक है ठेकेदार है वो भारतीय जनता पार्टी के, जो टेंट लगाया वो भारतीय जनता पार्टी के, जो भोजन के व्यवस्था किया वो भारतीय जनता पार्टी के। एसपी और कलेक्टर से समाज की मीटिंग कराने वाले भारतीय जनता पार्टी के जिला के अध्यक्ष पूर्व विधायक सनम जांगड़े सहित सारे भारतीय जनता पार्टी के लोग हैं। समाचार पत्रों में ये भी आना शुरू हो गया कि आयोजन भोजन की जो व्यवस्था है वो शासकीय तौर पर किया गया था। किस अधिकारी के कहने से किस अधिकारी ने व्यवस्था की इसकी जानकारी भी आ चुका है। बलौदाबाजार की जो घटना हुयी और जो अभी मेरे पास आवेदन आया मेरा मानना है कि जो निरापराध है उसकी गिरफ्तारी नही होनी चाहिये। भाजपा के समर्थक लोगों को पुलिस क्यों नही पकड़ रही है? पुलिस भाजपा के इशारे पर काम कर रही है। सरकार को पता कौन गया कौन नहीं गया उसकी जानकारी है तो सबके सामने बताये।

महतारी वंदन योजना बना रही महिलाओं को स्वावलंबी

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा राज्य में लागू की गई महतारी वंदन योजना राज्य के महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बना रही है। योजना राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में अत्यंत निर्णायक साबित हो रही है। योजना की सराहना अनेक जरूरतमंद महिलाओं के अलावा आंगनबाड़ी केन्द्र के कर्मचारियों ने भी मुक्त कंठ से इसकी सराहना की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति विनम्र आभार व्यक्त करते हुए उन्हें हृदय से आभार व्यक्त किया है। बालोद विकास खण्ड के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 02 झलमला की कार्यकर्ता चन्द्रिका सिन्हा ने मिलने वाली राशि को जरूरतमंद महिलाओं के लिए मुश्किल वक्त का सहारा बताया। उन्होने कहा कि समाज के निम्न एवं मध्यम वर्ग के अनेक महिलाएं जिन्हे अपने जरूरी तथा अनेक छोटे-बड़े आवश्यकताओं के लिए परिवार के मुखिया के ऊपर आश्रित रहना पड़ता है। लेकिन प्रदेश सरकार के द्वारा महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना लागू हो जाने से प्रतिमाह उनक खाते मे 1000 रू. जमा हो जाने से अब महिलाओं को अपनी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आसानी से पैसा उपलब्ध हो जाता है।

संपादकीय

सख्त कानून बनाने की तैयारी

मोदी सरकार डीप फेक, गलत सूचनाएं फैलाने या भड़काऊ वीडियो बनाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (द्व) का दुरुपयोग रोकने के मद्देनजर सख्त कानून बनाने की तैयारी में है। हालांकि यह सब एकदम से नहीं होने जा रहा। इसमें कुछ समय लग सकता है, लेकिन इतना तय है कि सरकार जल्द से जल्द इस बाबत कानून बनाकर लागू करना चाहेगी। चुनाव से पहले भी सरकार ने डिजिटल इंडिया विधेयक का प्रारूप तैयार किया था, लेकिन उस दिशा में आगे काम न हो सका। गलत सूचनाएं फैलाने या लोगों को भड़काने की नीयत से डाले गए वीडियो का असर लोक सभा चुनाव में भी देखने को मिला। चुनाव से पहले और चुनाव प्रक्रिया के दौरान इंफ्लूएंसर्स और सोशल मीडिया ने आम जन की इस कदर विसनीयता हासिल कर ली थी कि लोग इस मीडिया पर आंख मूंदकर विश्वास करने लगे हैं। मान रहे हैं कि सोशल मीडिया उन्हें गुमराह नहीं होने देगा और जमीनी हकीकत से उनकी वाकफियत बनाए रख सकता है। भाजपा अपने तई पूर्ण बहुमत पाने से चूक गई। उसने अपने सहयोगी दलों के साथ मिल कर गठबंधन सरकार तो बना ली है, लेकिन कहीं–न–कहीं उसे महसूस होता है कि सोशल मीडिया ने प्रोपगेंडा करके उसका खेल बिगाड़ दिया। हालांकि चुनाव से पहले ही वह महसूस करने लगी थी कि सोशल मीडिया लोगों को गुमराह करने के लिए सरकार विरोधी एजेंडा चला रहा है। चुनाव परिणाम देखकर तो उसे तस्दीक ही हो गई कि सोशल मीडिया ने उसकी संभावनाओं पर खासा असर डाला। डीप फेक के मामले भी एक के बाद एक सामने आए हैं, जिनमें सिने तारिकाओं और अन्य हस्तियों की छवि बिगाड़ने के प्रयास हुए। डीप फेक और भड़काऊ वीडियो के जरिए भ्रामक सूचनाएं फैलाना और एआई का दुरुपयोग से पूरी दुनिया त्रस्त है। अनेक देशों ने इस बाबत कानून भी बनाए हैं। सरकार चाहती है कि उन देशों के अनुभव से भी लाभ लिया जाए ताकि बनाया जाने वाला कानून ज्यादा–से–ज्यादा असरदार हो सके। सरकार को संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी संबंधी प्रावधान को भी ध्यान में रखना होगा क्योंकि सोशल मीडिया और इंफ्लूएंसर इसको ढाल बनाए हुए हैं, लेकिन सरकार इन माध्यमों पर नकेल कसने के लिए सख्त कानून को लेकर संजीदा है।

विज्ञापन कंबल की दर्शनीय टांगें

सोनम लववंशी

बरसों पहले अखबार में छपे एक विज्ञापन को देख कर जुमला कहा गया था 'विज्ञापन कंबल की दर्शनीय टांगें, दुकानदार से जाकर हम क्या मांगें!' आज भी यह बात हर विज्ञापन पर सटीक बैठती है। बाजारवाद के इस दौर में ऐसी कोई वस्तु नहीं है, जिसका विज्ञापन न किया जाता हो। विज्ञापन बनाने वाली कंपनियां इतनी चालाकी से अपने प्रोडक्ट की नुमाइश करती हैं कि न चाहते हुए भी वो प्रोडक्ट हमारे लिए जरूरी से लगने लगते हैं। यहां तक कि झूठे और भ्रामक विज्ञापनों से भी कोई गुरेज नहीं करतीं, लेकिन बीते दिनों पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाया। इसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय हरकत में आया और विज्ञापन कंपनियों को स्वप्रमाणन–पत्र जारी करने के निर्देश दिए। ऐसे में अगर कंपनियों के प्रोडक्ट में किए गए दावे गलत निकलते हैं, तो न केवल हर्जाना चुकाना होगा, बल्कि कार्रवाई के लिए भी तैयार रहने की बात कही गई है। मंत्रालय द्वारा ऐसे पोर्टल भी तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें विज्ञापनदाता स्वप्रमाणन–पत्र अपलोड करेंगे। भ्रामक विज्ञापनों में शामिल चर्चित हस्तियों को भी झूठ में शामिल माना जाएगा। अदालत के सख्त रुख के बाद देर से ही सही पर संबंधित मंत्रालय और व्यवस्थाएं जाग रही हैं वरना तो भ्रामक विज्ञापनों की ऐसी होड़ सी मची हुई है कि स्वयं कामदेव भी दंडवत हो जाए। गोरापन बढ़ाने वाली क्रीम तो बीते 54 सालों से भ्रामक विज्ञापनों के सहारे ही बिकती आई हैं। इन क्रीमों से गोरापन भले न मिला हो पर कंपनी को 2400 करोड़ रु पये सालाना का रेवेन्यू जरूर मिल रहा है। ऐसा ही हाल पेय पदार्थों को लेकर है जिनका मार्किट 7500 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है जबकि सॉफ्ट ड्रिंक का मार्किट 5700 करोड़ होने का अनुमान है। विडंबना देखिए कि जिन पेय पदाथरे को स्वास्थ्यवर्धक बता कर धड़ल्ले से बेचा जा रहा है, वही बीमारियों की वजह बन रहे हैं। जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली कंपनियों को तो सिर्फ अपना मुनाफा कमाना है जबकि आम जनता लुभावने विज्ञापनों के जाल में उलझी है। वैसे भी कहावत है कि अगर एक झूठ को 100 बार बोला जाए तो जनता उसे सच मान ही लेती है। यही वजह है कि सड़क से लेकर दीवार तक ऐसा कोई कोना नहीं है, जहां विज्ञापन न चस्पा हो। सुई से लेकर हवाई जहाज तक हर चीज का विज्ञापन दिखाया जाता है। समाचार चैनलों पर तो खबर से ज्यादा विज्ञापन प्रसारित हो रहे हैं। इन विज्ञापनों में इस हद तक अश्लीलता परोसी जाने लगी है कि परिवार के साथ बैठकर टेलीविजन देखना भी दूभर सा हो गया है। न्यूज चैनलों के बीच कॉन्डम का विज्ञापन देखकर लगता है जैसे कोई पोर्न चैनल देख रहे हों। परफ्यूम के विज्ञापन तो ऐसे होते हैं मानो रेप कल्चर को बढ़ावा दे रहे हों। कुल मिला कर देखा जाए तो महिलाओं को विज्ञापन के केंद्र में रखकर नारी देह को अश्लील तरीके से परोसा जा रहा है। विज्ञापनों में महिलाओं को कामुक दिखाने का चलन इस कदर बढ़ गया है जैसे नारी सिर्फ उपभोग की वस्तु हो! कहने को तो हमारे देश में अश्लील प्रदर्शन के विरु द्ध कानूनी प्रावधान हैं, फिर भी उनकी खुलेआम धज्जियां उड़ाई जाती हैं। कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों पर तो चाबुक चला दी पर विज्ञापनों के माध्यम से परोसी जा रही अश्लीलता को भी संज्ञान में लिया जाना चाहिए। सच है कि वर्तमान दौर में विज्ञापन हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं, बदलते परिवेश में विज्ञापनों का रंग–रूप भी बदल गया है। एक दूसरे से बेहतर दिखने–दिखाने की चाह में विज्ञापनों में अश्लीलता का ऐसा दौर शुरू हो गया जिसकी कल्पना नहीं की गई थी। किसी के पास इन सवालों के कोई जवाब नहीं हैं कि ये विज्ञापन 'नारी देह' पर ही क्यों केंद्रित होते हैं? आखिर, एक स्त्री किसी पुरुष के अंडरवियर या परफ्यूम पर ही सम्मोहित कैसे हो सकती है? ऐसी क्या वजह है जो उत्पाद की बिक्री बढ़ाने के लिए महिलाओं के अंग प्रदर्शन और झूठ का सहारा लिया जाता है। विज्ञापन कंपनियां महिलाओं को उपभोग की वस्तु दिखाने से क्यों गुरेज नहीं करतीं? ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या जिस स्त्री स्वरूप की हमारी संस्कृति में देवी से तुलना की गई है, वो अब इसी की हकदार बची है?

कितने जायज हैं ईवीएम पर विपक्ष के सवाल?

सुरेश हिंदुस्तानी

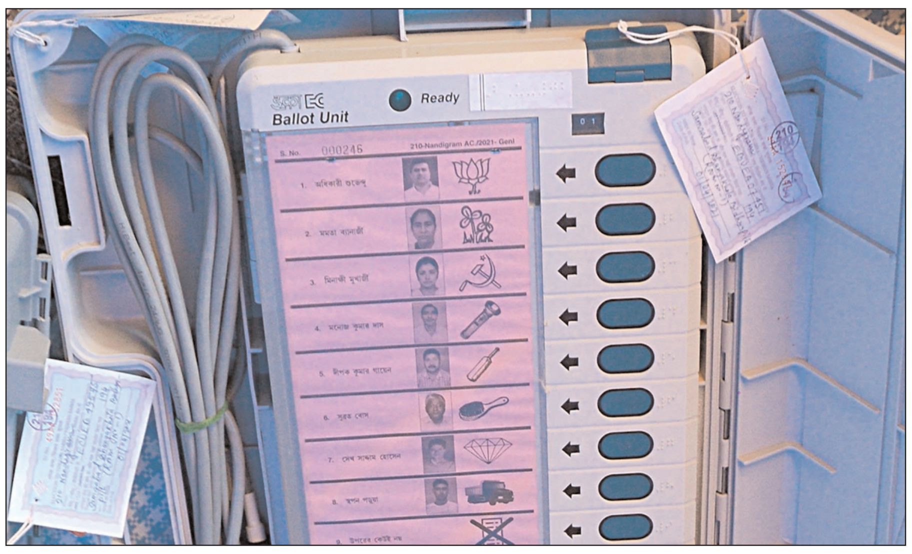

देश में प्राय: हर उस चुनाव के बाद विद्युतीय मतदान मशीन पर सवाल उठते रहे हैं, ज़ब किसी भी विपक्ष की सरकार नहीं बन पाती। इस बार भी लोकसभा चुनाव के बाद देर से ही सही, लेकिन ईवीएम पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि अभी स्वर इसलिए भी धीमे हैं, क्योंकि लोकसभा चुनाव में विपक्ष के राजनीतिक दलों ने अपनी ताकत बढ़ाकर एक मजबूत विपक्ष बनने का रास्ता तैयार कर लिया है। देश के राजनीतिक इतिहास में ऐसा दृश्य पहली बार दिख रहा है, ज़ब विपक्ष सरकार बनाने से दूर रहकर भी अपनी विजय का अहसास करा रहा है। इसके विपरीत सत्ता पाने वाले राजग इस बात की समीक्षा कर रहा है कि उसकी सीटें कम कैसे हो गईं। जबकि यह समीक्षा विपक्षी दलों को करना चाहिए। खैरञ्ज बात हो रही थी ईवीएम की। इस लोकसभा चुनाव से पूर्व भी भाजपा के नेतृत्व में दो बार केंद्र में सरकार बनी, तब भी विपक्ष का यही मानना था कि ईवीएम की गड़बड़ी के कारण ही भाजपा ने विजय प्राप्त की है। हालांकि इन दस वर्षों के दौरान कई बार ऐसे चुनाव परिणाम भी आए हैं, जिसमें भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। लेकिन विसंगति यही है कि इसके बाद विपक्ष की ओर से ईवीएम पर कोई सवाल नहीं उठाए गए। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है कि विपक्ष की ओर से स्थिति देखकर ही सवाल उठाए जाते हैं।

विपक्षी राजनीतिक दलों को ऐसा ही लगता है कि भाजपा के पास कोई जनाधार नहीं है, वे मात्र ईवीएम के सहारे ही जीतते हैं। जबकि विपक्ष के किसी राजनीतिक दल को किसी राज्य में सत्ता प्राप्त हो जाए तो फिर ईवीएम पर सवाल नहीं उठाए जाते। हम जानते हैं कि विपक्ष को केवल भाजपा की जीत से परहेज है, वे भाजपा की जीत को पचा नहीं पाते, जबकि दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी को छप्पर फाड़ समर्थन मिला था, लेकिन तब ईवीएम पर कोई सवाल नहीं उठा। हमें स्मरण होगा कि सन 2014 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद विपक्षी दलों के अधिकतर नेताओं ने एक स्वर में ईवीएम पर सवाल खड़े किए थे। तब इन सवालों का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग ने सारे राजनीतिक दलों को बुलाया था कि ईवीएम को कोई हैक करके दिखाए। लेकिन उस समय ज्यादा विरोध करने वाले कोई भी राजनेता चुनाव आयोग के बुलावे पर नहीं पहुंचे। इसका तात्पर्य यही है कि विपक्ष के ईवीएम पर आरोप का कोई पुष्ट आधार नहीं है। इस बार भी केवल आशंका के आधार पर ईवीएम को निशाने पर लाने की कोशिश की जाने लगी है।

चुनाव परिणाम के बाद इस बात की पूरी संभावना बन रही थी कि इस बार ईवीएम को आड़े हाथ लिया जाएगा। इसलिए चुनाव आयोग ने भी ईवीएम को लेकर उत्पन्न होने वाले भ्रम को दूर करने का प्रयास किया। लेकिन इतना होने के बाद भी यह भ्रम दूर नहीं हो सका और ईवीएम पर आरोप लगने शुरू हो गए हैं। यह विवाद कितनी दूर तक जाएगा, यह तो कहना मुश्किल है, लेकिन ज़ब धुंआ उठने लगा है तो आग भी कहीं न कहीं लगी ही होगी। अब विपक्ष के निशाने पर चुनाव आयोग और ईवीएम दोनों ही हैं। विपक्ष की ओर से यह कई बार कहा गया कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार के संकेत पर कार्य करता है। वास्तविकता यह है कि चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था है, जिस पर न तो किसी सरकार का कोई प्रभाव रहता है और न ही किसी राजनीतिक दल का। फिर भी चुनाव आयोग को क्यों विवाद में घसीटा जाता है। यहां यह भी बताना बहुत महत्वपूर्ण है कि अगर विदेश का कोई व्यक्ति या संस्था भारत के बारे में कोई सवाल उठाता है तो हमारे देश के कुछ लोग उस पर आँख बंद करके विश्वास कर लेते हैं, जबकि हमारे देश के संस्थान केवल सफाई देते रहते हैं। अभी हाल ही में एलन मास्क द्वारा यह कहकर सनसनी फैलाने का ही काम किया है कि ईवीएम हैक हो सकती है। एलन मास्क ने यह बयान क्यों दिया, यह तो वही जानें, लेकिन विदेश के लोगों द्वारा भारत के बारे में ऐसे विवादित बयान कई बार दिए जा चुके हैं, जिसको आधार बनाकर भारत की राजनीति को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। पाकिस्तान की तरफसे तो मोदी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए एक अभियान सा चलता दिखाई दिया। बेहतर यही होता कि विदेश के किसी भी व्यक्ति को सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से आईना दिखाने का कार्य किया जाता। क्योंकि यह भारत के अंदरुनी मामले हैं, जिनका समाधान कोई विदेशी कभी नहीं निकाल सकता।

ईवीएम पर सवाल उठाने से पहले यह सोचना होगा कि भारत एक बड़ा देश है। ईवीएम प्रणाली से समय की बचत तो होती ही है, साथ ही व्यय में भी कमी आती है। ईवीएम को लेकर जो सवाल अभी उठ रहे हैं, वे सवाल वास्तव में उस समय उठने चाहिए थे, ज़ब ईवीएम को भारत में लाया गया। उस समय की कांग्रेस की सरकार इसे लेकर आई। ऐसा लगता है कि उस समय यह ठीक थी, लेकिन बाद में उसी को बुराई के रूप में देखा जाने लगा। सत्यता यही है कि किसी भी विवाद में एक पक्ष को पराजित होना ही पड़ता है। यह पराजय भले ही न्याय पूर्ण हो, लेकिन जो हारता है उसे वह न्याय भी अन्याय जैसा ही लगता है। ईवीएम भी कुछ ऐसे ही वाकये का शिकार हो रही है। लोकसभा चुनाव के बाद देश में नई सरकार का गठन हो चुका है। परिणाम के बाद जो राजनीतिक स्थिति बनी है, उसके अनुसार भारतीय जनता पार्टी अन्य सभी दलों से बहुत आगे है। इसका तात्पर्य यही है कि भारत की जनता की पहली पसंद आज भी भाजपा ही है। इस सत्य को स्वीकार करना ही होगा। निराधार आरोप लगाने की राजनीति ने कभी देश का भला नहीं किया, इसलिए अब देश के बारे में सोचिए। यह समय की मांग है।

वन संपदा का नुकसान

अखिलेश आर्येन्दु

नवम्बर, 2023 से अब तक उत्तराखंड के तमाम इलाकों में लगी आग की तकरीबन एक हजार दो सौ बयालिस घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं जिससे 1,696 हेक्टेयर क्षेत्रफल की वन संपदा का नुकसान हो चुका है। कम से कम दस लोगों की मौत अब तक हो चुकी है। जैव–विविधता का जो नुकसान हुआ है, उसका अनुमान लगाना मुश्किल हैं। जैव–विविधता और जन–गण का नुकसान अभी रु का नहीं है, जिस पर तुरंत काबू पाने की जरूरत है।

सरकारी आंकड़े के मुताबिक राज्य के कुमाऊं मंडल में सबसे ज्यादा 598 और गढ़वाल मंडल में 532 जंगल की आग की घटनाएं घटीं। पिछले आठ महीने में आग की घटनाओं से वन संपदा का ही नाश नहीं हुआ है, बल्कि काफी बड़े इलाके में तपिश भी बढ़ गई है। इसका असर रानीखेत और अल्मोड़ा के जंगलों में बेकाबू आग के रूप में देखा जा सकता है। आग से जंगल ही नहीं जल रहे हैं, बल्कि लोगों के घर, दुकान और ऑफिस को भी नुकसान हो रहा है। महज दिल्ली में ही 26 मई, 2024 तक 8912 घटनाएं घट चुकी हैं, जिनमें 55 लोगों की जान जा चुकी है। अरबों का नुकसान हो चुका है।

देश–दुनिया में हर साल आग की लाखों घटनाएं घटती हैं जिससे करोड़ों की संपत्ति नष्ट होती है, मवेशी मारे जाते हैं, और कई लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं। सरकारों के आग पर काबू पाने और मुस्तैदी के सारे दावे धरे रह जाते हैं। अब तक आग की बाइस हजार से अधिक घटनाएं देश के विभिन्न हिस्सों में घट चुकी हैं, जिससे करोड़ों–अरबों की संपत्ति खाक हो चुकी है। मवेशी और जन धन की जो हानि हुई है, वह अलग। देश के विभिन्न हिस्सों में जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। यूं तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में भी आग से जंगल तबाह होते रहे हैं, लेकिन जिस बड़े पैमाने पर दोनों पहाड़ी राज्यों में तबाही देखने को मिलती है वैसी अन्य किसी राज्य में नहीं। पिछले तीस वर्षों में आग की लाखों छोटी–बड़ी घटनाएं घट चुकी हैं जिनमें लाखों हेक्टेयर जमीन में खड़े जंगल प्रभावित हुए हैं। जैविक–विविधता का नाश हुआ है और जीव–जंतु मारे गए। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के अनुसार भारत को 50 फीसद जंगलों को आग से खतरा है, जिसमें अधिकतर जंगल हिमाचल, जम्मू, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और असम के हैं। कई बार सूखे पत्तों और घनी झाड़ियों को जलाने के लिए आग लगाई जाती है। माना जाता है कि स्थानीय निवासियों द्वारा छोटे इलाकों में सूखे पत्तों और छोटी सूखी वनस्पतियों को जलाने से बड़ी विनाशकारी आग की घटनाएं नहीं होती हैं जिससे पर्यावरण की क्षति, वन क्षेत्र की वनस्पतियों और जीव–जंतुओं के विनाश का भी खतरा नहीं रहता। राज्य सरकार और केंद्र सरकार को इस तरह के लोगों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित करके छोटे इलाकों के पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाले खर–पतवारों को जलाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। लेकिन यह काम बहुत सावधानी के साथ किया जाना चाहिए। कई बार छोटी आग विकराल रूप धारण कर विनाश की वजह भी बन जाती है। दरअसल, पहाड़ी जीवन समतल इलाकों में रहने वालों से कई मामलों में अलग होता है। पहाड़ी इलाकों के रहवासियों का पालन–पोषण जंगल ही करते रहे हैं। फल–फूल, मेवे, औषधियां, जलाऊ लकड़ियां और मकान बनाने की लकड़ियां भी जंगलों से आराम से मिल जाती थीं। 1988 में केंद्र सरकार ने जो वन नीति बनाई थी उससे जंगलों को संरक्षित करने और उनका विस्तार करने में सहूलियत तो मिली लेकिन उत्तराखंड बनने के बाद जिस तरह से वनों में माफिया समूहों, तस्करों और वन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से लूट मची, उससे उत्तराखंड बनने का उद्देश्य खंड–खंड हो गया।

पूंजीवादी व्यवस्था में उत्पन्न होने वाले खतरों को डॉ हेडगेवार ने पहचान लिया था

प्रह्लाद सबनानी

आज पूरे विश्व में पूंजीवाद की तूती बोल रही है। लगभग समस्त देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पूंजीवाद के सिद्धांत के आधार पर चला रहे हैं। मुक्त बाजार अथवा मुक्त उद्यम प्रणाली पूंजीवाद का दूसरा नाम है, जो उत्पादक संसाधनों पर निजी स्वामित्व के हक को मानते हुए देश में आर्थिक विकास को गति देने की नीति को अपनाती है। पूंजीवादी सिद्धांत के जनक कहे जाने वाले एडम स्मिथ का कहना था कि अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक धनकुबेर पैदा होने चाहिए, इससे अंतत: वह देश विकसित देश की श्रेणी में शामिल हो सकता है। अत: देश में धनकुबेर पैदा करने में शासन द्वारा आर्थिक नीतियों को उद्योगपतियों के हित में बनाया जाना चाहिए। इस सम्बंध में एडम स्मिथ ने 卐वेल्थ आफ नेशन卐 नामक सिद्धांत भी प्रतिपादित किया था, जिसमें यह कहा गया था कि बाजार को चलाने में किसी अदृश्य शक्ति की भूमिका होती है। इस अदृश्य शक्ति में शासन की नीतियों को भी शामिल किया जा सकता है। पूंजीवादी सिद्धांत पर आधारित आर्थिक नीतियों को अमेरिका में बहुत उत्साहपूर्वक लागू किया गया था। 1950 के दशक के बाद अमेरिका में इन सिद्धांतों के अनुपालन के पश्चात अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विकास दर बहुत तेजी से आगे बढ़ी और शीघ्र ही अमेरिका विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो गया था। हालांकि, इस आर्थिक विकास के परिणामस्वरूप देश में आर्थिक असमानता भी उतनी ही तेज गति से बढ़ती है क्योंकि देश में आर्थिक नीतियों को एक वर्ग विशेष को आगे बढ़ाने की दृष्टि से विकसित किया जाता है, इससे अमीर और अधिक अमीर होते चले जाते हैं एवं गरीब और अधिक गरीब होते चले जाते हैं। विश्व में साम्राज्यवाद का सिद्धांत सबसे पुराना माना जाता है। शक्ति एवं प्रभुत्व बढ़ाने की राज्य की नीति मानी जाती रही है और इसकी समय समय पर वकालत भी की जाती रही है। कुछ क्षेत्रों पर प्रत्यक्ष रूप से अधिग्रहण करके एवं कुछ क्षेत्रों पर राजनैतिक एवं आर्थिक नियंत्रण करके कुछ राज्य अपने वर्चस्व को बढ़ाते रहे हैं। ब्रिटिश शासन ने भी इसी सिद्धांत का अनुसरण करते हुए दुनिया के कई देशों पर अपना राज्य कायम कर लिया था। इस सिद्धांत के अनुपालन से भी जिन राज्यों पर सत्ता स्थापित की जाती है उन राज्यों के नागरिकों को दोयम दर्जे का नागरिक बना लिया जाता है और उनका शोषण किया जाता है। इस शासन प्रणाली में भी गरीब और अधिक गरीब हो जाते हैं और राज्य करने वाले देश के नागरिक शोषित राज्यों के संसाधनों का अति शोषण करते हुए इन्हें अपने हित में उपयोग करते हैं और वे स्वयं अमीर से और अधिक अमीर बनते चले जाते हैं।

पूंजीवाद के सिद्धांतों का अनुपालन करने वाले कुछ देशों, विशेष रूप से अमेरिका के विकसित देश हो जाने के पश्चात, ने भी बाद के समय में साम्राज्यवाद का चोला पहिन लिया था। इन पूंजीवादी देशों ने छोटे छोटे गरीब देशों के संसाधनों पर व्यापार के माध्यम से अपना हक जताना प्रारम्भ कर दिया था। शोषण करने वालों के केवल नाम बदल गए थे, क्योंकि राज्यों के स्थान पर अब पूंजीपति इन देशों के नागरिकों एवं संसाधनों का शोषण करने लगे थे। एक तरह से पूंजीवाद स्वयं ही राजा बन बैठा। वैसे भी पूंजीवाद के सिद्धांतों के आधार पर चलने वाली अर्थव्यवस्था में येन केन प्रकारेण लाभ कमाना ही मुख्य लक्ष्य होता है, चाहे इसके लिए किसी वर्ग अथवा देश का शोषण ही क्यों न करना पड़े।

एक आर्थिक प्रणाली के रूप में पूंजीवाद की उत्पत्ति 16वीं शताब्दी में मानी जा सकती है। इंग्लैंड में 16वीं से 18वीं शताब्दी तक, कपड़ा उद्योग जैसे बड़े उद्यमों के औद्योगिकीकरण ने एक ऐसी प्रणाली को जन्म दिया जिसमें उत्पादकता बढ़ाने के लिए संचित पूंजी का निवेश किया गया और उद्योगपतियों ने मजदूरों का शोषण प्रारम्भ कर अधिक लाभ अर्जित करना प्रारम्भ किया। इस प्रकार किसी एक व्यक्ति को पूंजीवाद का आविष्कार करने वाला नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि पूर्ववर्ती पूंजीवादी प्रणालियां प्राचीन काल से ही अस्तित्व में थीं। चूंकि पूंजीवादी सिद्धांतों के अनुपालन में कुछ देश तेजी से विकास कर रहे थे एवं कुछ अन्य देशों का अति शोषण हो रहा था और पूंजीवाद एक तरह से विश्व के कई देशों में फैल रहा था अत: पूंजीवाद के साम्राज्यवाद के पद चिन्हों पर आगे बढ़ने के कारण डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने वर्ष 1920 में नागपुर में आहूत किए जाने वाले कांग्रेस के अधिवेशन में प्रस्ताव समिति के सामने एक प्रस्ताव रखने का प्रयास किया था। इस प्रस्ताव में दो विषयों का उल्लेख किया गया था। एक, कांग्रेस को यह वादा करना चाहिए कि वह अंग्रेजों से भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के नीचे कुछ भी स्वीकार नहीं करेगी और दूसरे, पूरे विश्व को पूंजीवादी नीतियों से मुक्ति दिलायी जाएगी। परंतु, दु:ख का विषय है कि उस समय के कांग्रेस के नेताओं ने डॉक्टर हेडगेवार के उक्त प्रस्ताव को प्रस्ताव समिति से आगे बढ़ने ही नहीं दिया एवं यह प्रस्ताव कांग्रेस अधिवेशन में भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस प्रकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय प्रथम संघचालक डॉक्टर हेडगेवार ने वर्ष 1920 के पूर्व ही पूंजीवाद से उत्पन्न होने वाले खतरों को पहचान लिया था तथा वे पूंजीवाद की आड़ में विश्व में फैल रहे साम्राज्यवादी नीतियों के भी घोर विरोधी थे। साम्राज्यवादी नीतियों के अंतर्गत कुछ पूंजीवादी देश, विश्व के अन्य गरीब देशों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे। ब्रिटेन ने भी भारत पर ईस्ट इंडिया कम्पनी के माध्यम से ही आधिपत्य स्थापित किया था। शुरुआती दौर में तो ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कम्पनी भी भारत में व्यापार करने के उद्देश्य से ही आई थी। परंतु, बाद का खंडकाल गवाह है कि किस प्रकार भारत के संसाधनों का ब्रिटेन के हित में उपयोग किया गया। अति तो तब हुई जब ब्रिटेन ने भारत के हथकरघा उद्योग को ही तबाह कर दिया। भारत में सस्ती दरों पर कपास खरीद कर वे ब्रिटेन ले जाने लगे एवं ब्रिटेन में कपड़ा मिलों की स्थापना की गई ताकि इस कच्चे माल (कपास) से कपड़ों का निर्माण किया जा सके एवं ब्रिटेन में रोजगार के अवसर निर्मित हो सकें। इस कपड़े को वापिस भारत में लाया जाकर भारतीय जनता को उच्च दरों पर बेचा जाने लगा। भारत से कच्चा माल (कपास) ले जाकर, भारत में ही ब्रिटेन में तैयार उत्पाद (कपड़ा) बेचा जाने लगा, अत: भारत को एक बाजार के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा था। पूंजीवाद के नाम पर इस प्रकार की व्यवस्था खड़ी की गई और ब्रिटेन ने स्पष्ट रूप से भारत को लूटा। एक अनुसंधान प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि अंग्रेजों ने भारत पर अपने शासनकाल के दौरान लगभग 45 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की खुली लूट की थी एवं यह धन वह ब्रिटेन में ले गए थे। उस खंडकाल में पूंजीवाद के नाम पर अपनी साम्राज्यवादी नीतियों को लागू कर विकसित देशों ने गरीब देशों पर न केवल अपना शासन स्थापित किया था बल्कि इन गरीब देशों को जमकर लूटा भी गया था। ब्रिटेन के बारे में तो यह भी कहा जाता है उन्होंने अपने साम्राज्य को विश्व के कई देशों में इस प्रकार फैला लिया था कि ब्रिटेन के साम्राज्य का 24 घंटे में कभी सूरज ही नहीं डूबता था। उक्त कारणों के चलते ही परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार ने विश्व के देशों को पूंजीवाद की जकड़ से बाहर निकालने का प्रयास वर्ष 1920 में किया था।

रहस्यों से भरा हम्पी का विट्ठल मंदिर

खंभों से निकलता है संगीत

भारत एक ऐसा देश है, जहां कई अनसुलझे रहस्यों और घटनाओं के बारे में सुनने को मिलेगा। ये रहस्य ऐसे हैं, जिनका तोड़ विज्ञान के पास भी नहीं है। कर्नाटक के हम्पी में भी आपको कुछ ऐसे अनसुलझे रहस्य देखने को मिल जाएंगे। यहां का विट्ठल मंदिर शानदार कला का नमूना पेश करता है। हम्पी में घूमने के लिए दूर-दराज के इलाकों से लोग आते हैं। लेकिन जब वो यहां के पिलर्स को छूते हैं, तो वो हैरान हो जाते हैं। दरअसल, ये म्यूजिकल पिलर्स के नाम से जाने हैं। यही इस मंदिर की खासियत है। पिलर्स से संगीत कैसे निकलता है, इसके बारे में रहस्य बना हुआ है। हम्पी के पर्यटक आकर्षण के केंद्र के तौर पर लोगों में पॉपुलर विट्ठल मंदिर की भव्यता देखने लायक है। मंदिर के अंदर जाते हैं, इसकी सुंदरता के आप दीवाने हो जाएंगे। एक विशाल परिसर और सुंदर मंडपों से लेकर लंबे हॉल और छोटे-छोटे मंदिरों तक, यहां आपको शानदार नजारे देखने को मिलेंगे।

खंभों से निकलता है संगीत

मंदिर में 56 संगीतमय खंभे हैं, जो सारेगामा पिलर्स के तौर पर भी प्रसिद्ध हैं। इन खंभों में से संगीतमय निकलता है। जब कोई इन खंभों को छूता है, पिलर्स से निकलने वाले संगीत स्पष्ट रूप से सुना जा सकता है। ये खंभे छत को सहारा देता है। मंदिर के मुख्य खंभों को म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स के आकार में स्टाइल किया गया है। साथ ही, मुख्य स्तंभ सात छोटे स्तंभों से घिरा हुआ है और इन स्तंभों से आने वाले स्वरों की आवाज अलग होती है। चंदन की लकड़ी के साथ खंभे को हिट करने पर यहां से आपको संगीत सुनाई देगा।

15वीं सदी में बना मंदिर

विट्ठल मंदिर का निर्माण 15वीं शताब्दी के दौरान किया गया था। भगवान विट्ठल को समर्पित इस मंदिर का निर्माण विजयनगर साम्राज्य के देवराय द्वितीय ने करवाया था। यही कारण है कि मंदिर को विजय विट्ठल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि भगवान विष्णु को ही विट्ठल के नाम से जाना जाता है।

इसलिए आम को कहते हैं फलों का राजा

आम खाना किसे नहीं पसंद? इस फल को लोग बहुत पंसद करते हैं। आम का सेवन गार्मियों के लिए लोकप्रिय है। इसे फलों का राजा भी कहा जाता है। आम के फल की कई किस्में होती हैं जैसे लंगड़ा, दशहरी और चौसा आदि। इतना ही नहीं इसका सेवन आप कई तरीकों से कर सकते हैं। इसमें विटामिन सी और ए के साथ जिंक और विटामिन ई जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आइए जानते हैं सेहत के लिए इसे खाने के फायदे।

जानिए इसके अनके फायदे

पाचन में मदद करता हैं

आम में कई गुण हैं जो पाचन क्रिया में मदद करते हैं। जैसे कि इसमें फाइबर और रफेज होता है जो कि पाचन तंत्र को तेज करता है। ये फल आपके मेटाबोलिज्म को तेज करता है जिससे पेट के काम करने की स्पीड तेज हो जाती है। इससे खाना तेजी से पचता है और पेट ठीक रहता है।

चेहरे के लिए फायदेमंद

आम का गूदा फेस पैक बनाने के काम आ सकता है। इसे लगाने से या इसे चेहरे पर मलने से चेहरे का ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है और निखार आता है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी होता है जो कि संक्रमण से बचाव करता है। तो, अगर आपके चेहरे पर एक्ने जैसी समस्याएं हैं तो आप चेहरे पर आम का फेस पैक लगा सकते हैं।

मोटापा कम करता है

मोटापा कम करने के लिए आम एक अच्छा उपाय है।आम खाने के बाद भूख कम लगती है। आम की गुठली के रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम कर सकते हैं। इसे खाने के बाद आप लंबे समय के लिए भूख कंट्रोल कर सकते हैं और वेट मैनेज करने की कोशिश कर सकते हैं।

गर्मी से बचाव

अगर गर्मी के दिनों में आप दोपहर में निकलते हैं तो एक गिलास आम पन्ना पी कर निकलें। इससे न तो गर्मी लगेगी न तो लू। यह पेट तो ठंडा करेगा और पित्त से जुड़ी समस्याओं से बचाएगा। तो, इन तमाम कारणों से आपको आम खाना चाहिए। तो, इस गर्मी आम खाएं और ये तमाम फायदे पाएं।

किचन का ब्लॅक गोल्ड

जानिए इसके हेल्थ बेनेफिट्स

काली मिर्च धरती में पाया जाने वाला सबसे पुराना मसाला है। इसे मसालों के राजा के नाम से भी जाना जाता है। वैसे तो काली मिर्च हर कुजीन का हिस्सा है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसे ब्लैक गोल्ड यानी काला सोना भी कहा जाता है। काली मिर्च को भारत में इस नाम से भी जाना जाता है। काली मिर्च का इतिहास हजारों साल पुराना है। माना जाता है कि काली मिर्च की खोज भारत के वर्षा वनों में हुई है। आपको जानकर हैरानी होगी कि काली मिर्च का इस्तेमाल करेंसी के तौर पर भी किया जाता रहा है। इस बेशकीमती चीज की तलाश में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों सेव्यापारी भारत आए। लेकिन आपको बताते हैं कि आखिर काली मिर्च को ब्लैक गोल्ड क्यों कहा जाता है।

ब्लैक गोल्ड से क्यों फेमस हो गई काली मिर्च

दरअसल, केरल के व्यापारी काली मिर्च को सोने की कीमत के समान ही काली मिर्च को बेचते थे। एक वक्त ऐसा भी था कि काली मिर्च सिर्फ भारत में मिलती थी और वो केरल के मालाबार कोस्ट में। हालांकि, इस बारे में बता पाना थोड़ा मुश्किल है कि काली मिर्च का व्यापार कैसे शुरू हुआ लेकिन इतना जरूर साबित हुआ है कि 13वीं शताब्दी BCE में मिस्र के लोग इसका व्यापार करते थे।

कहां होती है ब्लैक पेपर की खेती

काली मिर्च पाइपर नाइग्रम बेल के फल से प्राप्त होती है, जो भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाई जाती है। काली मिर्च की कटाई तब की जाती है जब वे मैच्योरिटी तक पहुंचते हैं। ब्लैक गोल्ड कही जाने वाली काली मिर्च हेल्थ के लिए भी बेहद फायदेमंद है। माना जाता है कि काली मिर्च में एक्टिव कंफाउंड पिपेरिन में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह पाचन में सहायता कर सकता है और पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार कर सकता है। इसके अलावा, ये वजन घटाने में भी मददगार हो सकता है। इसके अलावा, काली मिर्च में विटामिन के और मैंगनीज सहित कई चीजें पाई जाती हैं।

काले गेहूं की खेती से किसान हो रहे मालामाल

जानिए अमीर लोग इसे क्यों खा रहे हैं?

कहां से आया ये काला गेहूं?

ये काला गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किया गया है। पंजाब के मोहाली स्थित नैशनल एग्री फूड बायोटेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट यानी नाबी ने इस गेहूं को दुनिया के सामने लाया। यहां के वैज्ञानिकों ने काले गेहूं के अलावा नीले और जामूनी रंग के गेहूं की भी खोज की है। हालांकि, काले गेहूं की डिमांड बाजार में ज्यादा है। इस गेहूं की खेती की बात करें तो इसे बिल्कुल आम गेहूं की तरह ही बोया जाता है और पूरा प्रोसेस भी सेम होता है। पौधे से लेकर बालियां आने तक यह एक आम गेहूं की तरह ही दिखेगा। यानी सब कुछ हरा हरा, लेकिन जैसे ही गेहूं की बालियां सूखने लगती हैं, उसमें मौजूद गेहूं हरे से काला हो जाता है।

गेहूं काला कैसे होता है?

गेहूं काला कैसे होता है, ये सवाल सभी के मन में होगा। चलिए आपको बताते हैं इसका जवाब। दरअसल, इसके पीछे साइंस है। गेहूं का रंग काला इसलिए होता है क्योंकि इस गेहूं में एक खास प्रकार का पिगमेंट पाया जाता है, जो इस फसल के रंग को बदल देता है। इस पिगमेंट को कहते हैं एंथोसायनिन। एंथोसायनिन की सबसे अनोखी बात ये होती है कि ये जिस भी किसी फल, फूल या खाद्य पदार्थ में पाया जाता है वो उसके रंग को गहरा कर देता है। यानी इसकी मात्रा जिस चीज में जितनी ज्यादा होगी, वह चीज उतनी ही ज्यादा गहरे रंग की दिखेगी। सामान्य गेहूं में ये 5 पीपीएम जितनी होती है, जबकि काले गेहूं में ये 100 से 200 पीपीएम तक होती है।

अमीर लोगों में ये गेहूं क्यों लोकप्रिय है?

अमीरों के बीच ये गेहूं लोकप्रिय है, अपनी खूबियों के कारण। दरअसल, इस गेहूं में मौजूद पोषक तत्व इसे खास बनाते हैं। इसमें भारी मात्रा में जिंक, आयरन, प्रोटीन और स्टार्च पाया जाता है। यहां तक की इसमें अकेला आयरन 60 फीसदी होता है। कहा जाता है कि ये गेहूं हमें कैंसर, डायबटीज, तनाव, दिल की बीमारी और मोटापा जैसी समस्याओं से निजात दिलाता है।

स्कूल जाने के नाम पर रोता है आपका बच्चा

अपनाएं ये ट्रिक्स, हमेशा के लिए दूर हो जाएगा डर

कुछ बच्चे हंसते खेलते स्कूल जाते हैं, जबकि कुछ बच्चों को स्कूल जाना एंजायटी फील कराता है। ऐसे बच्चे स्कूल के माहौल को एन्जॉय नहीं कर पाते और उन्हें अपने पैरेंट्स की याद सताने लगती है। इसकी कई वजहें हो सकती है, जो बच्चे के मन में नकारात्मक भावनाओं को जगाने का काम करता है। ऐसे में माता पिता के लिए जरूरी है कि वह अपने बच्चे की परेशानियों को समझने का प्रयास करें और उन परेशानियों को दूर करने का उपाय करें। अगर पैरेंट्स ऐसे हालात से निपटने के लिए मारपीट करें या बच्चों की बात पर भरोसा ना करें तो यह उनके कोमल मन पर बुरा असर डालती है और समस्या और बढ़ सकती है। यहां हम बता रहे हैं इसकी वजह और इससे निपटने के उपाय।

स्कूल जाने से क्यों लगता है डर

- कई बार बच्चों का आत्मविश्वास कम होता है और उन्हें असफ होने का डर सताते रहता है।
- कई बच्चों को स्कूल के नियमों को फॉलो करने में परेशानी आती है और वह अकेलापन महसूस करने लगते हैं।
- स्कूल के बच्चे हर बात में अगर कॉम्पटीशन करते हैं और वह बार बार हार रहा है तो इसकी वजह से भी ऐसा हो सकता है।
- ज्यादातर बच्चों को यह महसूस होता है कि स्कूल जाने पर वे अपने माता पिता से बिछुड़ जाएंगे और वे स्कूल में तनाव में रहने लगते हैं।
- कई बार स्कूल में जवाब ना दे पाने की वजह से डांट का डर भी बच्चों के मन में डर बना देता है और उनका मनोबल कम हो जाता है।

स्कूल जाने के डर को इस तरह करें दूर

बच्चों को मानसिक रूप से करें तैयार- इंडियापैरेंटिंग के अनुसार, आप अगर बच्चे का नए स्कूल में एडमिशन करा रहे हैं तो उस स्कूल में बच्चे को जरूर विजिट कराएं और उसकी क्लास टीचर, स्टूडेंट, स्टाफ आदि से पहले ही भेंट करा दें। प्रयास करें कि लोगों से अच्छे माहौल में वो मिले। आप उनके साथ कुछ मजेदार बात करें जिससे हंसी का माहौल रहे। ऐसा करने से बच्चा कंफर्टेबल हो पाएगा।

सेपरेशन के डर को करें दूर- बच्चे को कभी भी यह महसूस ना कराएं कि उसे खुद से दूर करने के लिए स्कूल भेजा जा रहा है। बेहतर होगा कि आप उसे इनकरेज करें और स्कूल की अच्छी बातों के बारे में उसे बताएं। अगर बच्चा रो रहा है तो उसे दूसरे बच्चों से तुलना ना करें इससे उनके मन में और भी डर हो जाता है कि उसके माता पिता उसे पसंद नहीं करते। वे अपना आत्मविश्वास और भी खो देते हैं।

चेहरे पर रखें पॉजिटिव फीलिंग- बच्चों को यह भरोसा दिलाएं कि आप जानते हैं कि वह बेहतर तरीके से स्कूल में खुद की परेशानियों को डील कर सकता है। शांत रहें और डांट लगाने या मार पीट करने से बचें।

बच्चे से करें बात- हमेशा अपने बच्चों के साथ दोस्त की तरह बात करें। आप उन्हें अपने स्कूल और स्कूल की मस्ती के बारे में भी बताएं और यह भी बताएं कि वे भी स्कूल में कभी कभी डांट खाते थे। उन्हें महसूस कराएं कि स्कूल बहुत मजेदार जगह है जहां वह तरह तरह की मस्ती कर सकते हैं।

स्कूल के बारे में पूछें- बच्चों को शुरू में खुद स्कूल लेने और छोड़ने जाएं। उनसे रोजाना स्कूल के बारे में बात करें। कुछ गलत होने पर भी उन्हें इस बारे में प्यार से समझाएं। अपनी कमियों और गलतियों को पॉजिटिव तरीके से सुधारने की बात करें।

बच्चे को पड़ गई है जंक फूड खाने की आदत

3 टिप्स करें ट्राई, रहेंगे फिट

बच्चे अक्सर ही जंक फूड खाने की जिद करते हैं, जो धीरे-धीरे उनकी आदत में शुमार हो जाता है और बच्चे हेल्दी और न्यूट्रिएंट्स रिच चीजों को खाना अवॉयड करते जाते हैं। ऐसी आदत उनकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है, क्योंकि इससे बच्चों की बॉडी में पोषण की कमी हो सकती है। ज्यादातर बच्चे स्ट्रीट फूड को काफी पसंद करते हैं और लंच-डिनर में भी कई बार जंक फूड खाना ही चाहते हैं। ऐसे में बहुत से पैरेंट्स को उनकी जिद के आगे झुकना पड़ जाता है, जिसका सीधा असर उनकी हेल्थ पर हो सकता है। ऐसे में आप कुछ तरीके अपनाकर बच्चों को जंक फूड से दूर रख सकते हैं।

बच्चों की मनचाही होममेड डिश परोसें

जंक फूड खाने की आदत छुड़ाने के लिए आपको थोड़ी से मेहनत करने की जरूरत होगी। ऐसा इसलिए कि आपको बच्चों के सामने वो होममेड डिश परोसनी होंगी जो वो खाना पसंद करते हों। वैसे तो पिज्जा और बर्गर जैसी चीजें भी बच्चों के लिए ठीक नहीं हैं। लेकिन इन ही चीजों को उनके सामने अगर घर पर सर्व किया जाये तो आप इनमें वेजीटेबल और आटे जैसी चीजों का इस्तेमाल करके हेल्दी बना सकते हैं।

प्रेजेंटेशन को खूबसूरत बनाएं

बच्चे बाहर की चीजों को स्वाद से ज्यादा प्रेजेंटेशन देखकर खाना पसंद करते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आप जो भी चीज बच्चों के खाने के लिए बनायें, उसको अच्छी तरीके से डेकोरेट करके ही उनके सामने प्रेजेंट करें। इसके लिए बच्चों के खाने की प्लेट को कलरफुल फ्रूट्स और स्प्राउट्स से सजा सकते हैं। साथ ही खाने में पालक की हरे रंग की या चुकंदर के रस की लाल रंग की रोटी-पराठे बनाकर उनको आकर्षित कर सकते हैं। इससे बच्चे कलरफुल चीजों की तरफ धीरे-धीरे अट्रैक्ट होने लगेंगे और बाहर का जंक फूड खाना कम कर देंगे।

हेल्दी चीजें खिलाना सिखाएं

बच्चों को जंक फूड खाने की आदत न पड़े इसके लिए तीन-चार वर्ष की उम्र से ही बच्चों के खाने का रुटीन फिक्स करें। उनको टाइम-टाइम पर खाने के लिए कुछ न कुछ हेल्दी देते रहें। इस तरीके से उनका पेट भरा रहेगा और जब उनको भूख नहीं लगेगी तो वो जंक फूड खाने के लिए जिद नहीं करेंगे साथ ही घर की हेल्दी चीजें खाने पर ही फोकस करें।

आखिर कैसे पहचाने कि पपीता मीठा है या नहीं, अपनाएं 4 आसान तरीके

पपीते का सेवन सेहत खासकर पेट के लिए बेहद फायदेमंद होता है, इसलिए बहुत से लोग डेली डाइट में पपीते को जरूर शामिल करते हैं. हालांकि, कई बार पपीता खरीद कर घर लाते हैं तो ये कभी कच्चा और फीका निकल जाता है. कभी ज्यादा गला हुआ होता है. ऐसे में आप कुछ टिप्स ट्राई करके परफेक्ट तरीके से पका और मीठा पपीता खरीद सकते हैं.

दबाकर देखें पपीता: पपाया खरीदते समय पपीते को हल्का सा दबाकर जरूर देखें. अगर ये आसानी से दबे नहीं तो समझ लें कि पपीता अंदर से कच्चा है. तो वहीं अगर ये ज्यादा दबने लगे तो पपीता अंदर से गला हुआ हो सकता है.

महक से करें पहचान: पपीता खरीदते समय इसको सूंघकर भी देखा जा सकता है. इसकी महक आपको पपीते के कच्चे और पक्के होने का अंदाज आसानी के साथ करवा सकती है. पका होने पर इसमें से पपीते की महक आती है. अगर पपीता कच्चा होगा तो इसमें से महक नहीं आती है.

दागदार पपीता न खरीदें: कई बार पपीता अच्छे से पका हुआ होता है और इसमें से महक भी आ रही होती है. लेकिन इस पर सफ़ेद दाग दाग भी नजर आते हैं. ऐसे में दागदार पपीता भी खरीदने से आपको बचना चाहिए. इस तरह के पपीते में फंगस लगी हो सकती है. जो आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है.

हल्के वजन का पपीता खरीदें: पपीता खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि पपीता ज्यादा भारी न हो. क्योंकि भारी पपीता अच्छा नहीं निकलता है. साथ ही इसके ज्यादा वजन के चलते आपको पैसे भी ज्यादा देने पड़ते हैं. ऐसे में जब भी पपीता खरीदें तो हल्के वजन का ही खरीदें.

हरा पपीता न खरीदें: हरे छिलके वाला पपीता भी आपको कभी नहीं खरीदना चाहिए. साथ ही जब भी आप पपीता खरीदें तो इस बात का भी ख्याल रखें कि पपीते का छिलका ज्यादा मोटा न हो. क्योंकि ऐसा पपीता मीठा नहीं निकलता है.

खूबसूरती में विदेशों को भी पीछे छोड़ दे महाबलेश्वर

समर सीजन में ट्रैवलिंग करने के लिएमहाराष्ट भी बेहतरीन जगह हो सकती है। महाराष्ट्र के ज्यादातर इलाकों में आप गर्मी महसूस कर सकते हैं। लेकिन इनके अलावा ऐसी कई जगहें हैं, जहां जाकर आपको कश्मीर घूमने की फीलिंग आएगी। दरअसल, हम बात कर रहे हैं महाबलेश्वर की। इसे महाराष्ट्र के ऑफबीट टूरिस्ट जगहों में भी गिना जाता है। महाराष्ट्र की सह्याद्री माउंटेन रेज पर बसा महाबलेश्वर खूबसूरती के मामले में स्विट्जरलैंड से कम नहीं है। इस हिल स्टेशन से आप आसपास की सांसे रोक देने वाली खूबसूरती को देख सकते हैं। अगर आप भी समर वेकेशन्स के लिए कहीं घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो ये जगह आपके लिए परफेक्ट है। चलिए आपको इसी खास जगह के बारे में बताते हैं।

शानदार वॉटरफॉल

महाबलेश्वर में कई सारे वॉटरफॉल्स देखने को मिल जाएंगे। पहाड़ियों से नीचे गिरते झरने देखने में बेहद खुबसूरत लगते हैं। यहां लिंगमाला वॉटरफॉल, धोबी वॉटरफॉल और चाइनामैन वॉटरफॉल जैसे कई पॉपुलर झरने हैं।

महाबलेश्वर में मंदिर

महाबलेश्वर शहर में कई प्राचीन मंदिर हैं, जिनका ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। भगवान शिव को समर्पित महाबलेश्वर मंदिर एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। यहां पंचगंगा मंदिर भी है, जो पांच नदियों के उद्गम स्थल का प्रतीक है। इन मंदिरों से यहां कि समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिलती है।

एडवेंचर एक्टिविटीज

रोमांच के प्रति उत्साही लोगों के लिए महाबलेश्वर बेहतरीन जगह है। सह्याद्री पर्वत की हरी-भरी पगडंडियों पर ट्रेकिंग से लेकर धुंध भरे जंगलों में घुड़सवारी तक, एडवेंचर पसंद लोगों यहां कई तरीके एन्जॉय कर सकते हैं। यहां आप प्राचीन जंगल में रैपलिंग, रॉक क्लाइम्बिंग और कैंपिंग में भी शामिल हो सकते हैं।

स्ट्रॉबेरी फेस्टिवल

आपको बता दें कि महाबलेश्वर में हर साल स्ट्रॉबेरी फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है। यहां दूर-दूर से लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनने आते हैं। इस

फेस्टिवल में स्ट्रॉबेरी से बनाई जाने वाली ड्रिंक्स और डेसर्ट की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। महाबलेश्वर जाने का सबसे बेहतरीन समय मार्च से जून तक है। इस दौरान यहां ज्यादा बारिश भी नहीं होती और आप आसानी से घूम सकते हैं।

इस साल सबसे ज्यादा 1.75 लाख भारतीय पहुंचे मक्का

हजारों में पहुंची मरने वाले जायरीनो की संख्या, अब कैसे होगा अंतिम संस्कार ?

रियाद , एजेंसी। सऊदी अरब हज के लिए पहुंचे यात्रियों की गर्मी की वजह से मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। मक्का में दम तोड़ने वाले जायरीनो की संख्या अब हजारों में पहुंच गई है। मृतकों में ईरान, भारत, इंडोनेशिया, मिस्र, ट्यूनीशिया के नागरिक शामिल हैं। इस साल 1.75 लाख भारतीय गए हैं और मृतकों में सबसे ज्यादा संख्या मिस्र के लोगों की है। अलग-अलग देशों के आंकड़ों के आधार पर यह जानकारी दी गई है । अरब राजनायिक ने बताया कि मरने वालों में करीब 658 हाजी अकेले मिस्र के हैं वहीं 1400 लोग अब भी लापता हैं। हालांकि सऊदी अरब की तरह से अब तक मरने वालों की संख्या को लेकर कोई पुष्टि नहीं की गई है।बांग्लादेश के भी 21 लोगों की मौत हज के दौरान हुई है। इनमें से 18 पुरुष हैं और तीन महिलाएं। उन सबकी उम्र 48 से 90 साल के बीच है।बांग्लादेश की ओर से जारी हज संबंधित ताजा बुलेटिन में यह जानकारी दी गई है।

भारत के वाणिज्य दूतावास को लिखा खत

मिडिल ईस्ट में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच मक्का में 17 जून को तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं 18 जून को थोड़ी राहत के साथ पारा 47 डिग्री रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, 12 से 19 जून तक चले हज के बीच 90 भारतीय यात्रियों की भी मौत हुई है। हज कमेटी ऑफ इंडिया के मुताबिक, इस साल सबसे ज्यादा 1,75,000 भारतीय हज यात्रा के लिए मक्का पहुंचे। केरल के हज मंत्री अब्दुर्रहीमन ने बुधवार को केंद्र सरकार से भारतीयों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके लिए उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर और जेद्दाह में मौजूद भारत के वाणिज्य दूतावास को खत लिखा। केरल से करीब 18 हजार 200 हाजी सऊदी अरब गए थे।मंत्री अब्दुर्रहीमन ने लिखा कि जेद्दाह पहुंचने के बाद जायरीनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। उन्हें 30 किमी दूर असीसी जाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा।

मिस्र के यात्रियों की तादाद इसीलिए ज्यादा

इसके अलावा वहां रुकने की व्यवस्था भी ठीक तरह से नहीं की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों में मिस्र के यात्रियों की तादाद इसीलिए ज्यादा है, क्योंकि इनमें कई ऐसे हैं जिन्होंने हज के लिए रजिस्टर नहीं कराया था। बता दें कि हर साल हज पर जाने वाले हजारों यात्री ऐसे होते हैं, जिनके पास इसके लिए वीजा नहीं होता है। पैसों की कमी की वजह से इस तरह के यात्री गलत तरीकों से मक्का पहुंचते हैं।

इस महीने की शुरुआत में सऊदी ने बिना रजिस्ट्रेशन वाले हजारों हज यात्रियों को मक्का से हटाया था। सऊदी अरब के अधिकारियों के मुताबिक, मक्का पर जलवायु परिवर्तन का गहरा असर हो रहा है। यहां हर 10 साल में औसत तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ रहा है। पिछले साल हज पर गए 240 हज यात्रियों की मौत हुई थी। इनमें से ज्यादातर इंडोनेशिया के थे। इस साल करीब 18 लाख हज यात्री हज के लिए पहुंचे हैं। इनमें से 16 लाख लोग दूसरे देशों के हैं।

अंतिम संस्कार पर उठे सवाल

अब सवाल यह उठता है कि क्या हज दौरान मरने वाले जायरीनों के शव को स्वदेश ले आया जा सकता है? या फिर वहीं अंतिम संस्कार किया जाएगा? शव की शिनाख्त कैसे होगी? मृत्यु प्रमाणपत्र कहां से मिलेगा? ऐसी मामले में सऊदी अरब के हज संबंधित क़ानून में साफ जिक्र किया गया है कि अगर हज के दौरान किसी व्यक्ति की मौत हो जाती है तो उसका शव उसके देश में नहीं भेजा जाता। उसे सऊदी अरब में ही दफना दिया जाता है। हज यात्रा की तैयारी करते समय हर व्यक्ति हज से संबंधित एक आवेदन पत्र पर हस्ताक्षर करता है जिसमें लिखा होता है कि अगर सऊदी अरब की ज़मीन पर या आसमान में उसकी मौत हो जाती है तो उसके शव को वहां दफना दिया जाएगा। उनके परिवार या परिजनों की कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

यूक्रेन को मिली बड़ी राहत, अब अमेरिकी हथियारों की मदद से रूस में घुसकर जवाब देगा कीव

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध दो साल से ज्यादा समय से जारी हैं। दोनों में से कोई भी देश हथियार डालने के लिए नहीं मान रहा है। इस जंग के चलते रूस और अमेरिका के रिश्तों में भी तनाव आ गया है। वॉशिंगटन लगातार कीव की मदद कर रहा है। अब एक मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि बाइडन प्रशासन ने यूक्रेन को रूसी बलों पर कहीं भी अमेरिका द्वारा आपूर्ति किए गए हथियारों का इस्तेमाल कर हमला करने की इजाजत दी है। अमेरिका ने कहा है कि यूक्रेन की सेना सिर्फ खार्किव के पास के क्षेत्र से ही नहीं बल्कि सीमा पार से भी हमला कर सकती है।

चुपचाप दी गई थी हरी झंडी : एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि यह रुख अमेरिका द्वारा कीव को रूस के अंदर हमला करने के लिए चुपचाप हरी झंडी दिए जाने के कुछ सप्ताह बाद सामने आया है, जो कि खार्किव शहर पर सीमा पार से हुए हमले का जवाब है। हालांकि, उस उस समय अधिकारियों ने यह जोर देकर कहा था कि इस बदलाव का मतलब नीतियों में बदलाव से नहीं है। नीति खार्किव क्षेत्र तक सीमित है।

तब से, यूक्रेनी सेना ने कम से कम एक बार रूस में हमला करने के लिए अमेरिकी हथियारों का इस्तेमाल किया है। बेलगोरोड शहर में लक्ष्यों को नष्ट कर दिया है और रूसी हमले को कड़ी टक्कर देने का प्रबंध किया है। दूसरी ओर कहा जा रहा कि यूक्रेन और अन्य यूरोपीय अधिकारियों ने अमेरिका से अपने प्रतिबंधों में ढील देने के लिए कहा था।

यूक्रेन के साथ समझौताः इससे पहले मंगलवार को, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने बताया कि रूस में अमेरिकी हथियारों से हमला करने के बारे में यूक्रेन के साथ समझौता किया गया है। इसका मतलब है कि कीव की सेना रूसी सेना को कहीं भी मार सकती है।

ट्रंप का चुनाव से पहले बड़ा वादा- अमेरिका से स्नातक करने वाले विदेशी छात्रों को मिलेगा ग्रीन कार्ड

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को सुझाव दिया कि जो विदेशी छात्र अमेरिका से स्नातक की पढ़ाई करते हैं, उन्हें अपने आप अमेरिका में रहने और काम करने के लिए ग्रीन कार्ड मिल जाना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को दुनिया के बेहतरीन दिमाग वाले लोगों को यहां रोकने की जरूरत है। जो लोग यहां रुकना चाहते हैं और उनके पास कोई अच्छी योजना है, जिससे देश को फायदा हो सकता है तो उन्हें यहां रोकना चाहिए।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा वादा

दरअसल एक पॉडकास्ट के दौरान कई उद्यम पूंजीदाताओं के साथ बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप से सवाल किया गया कि हम कैसे दुनियाभर के बेहतरीन दिमाग को अमेरिका ला सकते हैं? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि अगर आप (विदेशी छात्र) किसी कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल करते हैं तो आपको अपने आप ही इस देश में रहने के लिए ग्रीन कार्ड मिल जाना चाहिए। इसमें जूनियर कॉलेज भी शामिल हैं। ट्रंप ने कहा कि मैं कई ऐसी कहानियां जानता हूं, जहां लोगों ने हमारे देश के शीर्ष कॉलेजों से स्नातक की डिग्री ली और वो हमारे देश में रहने के इच्छुक थे और उनके पास बेहतरीन बिजनेस आइडिया था, लेकिन वे यहां रह नहीं सके। अगर कोई यहां से पढ़ाई करता है, लेकिन वह किसी कंपनी के साथ सिर्फ इसलिए डील नहीं कर सकता क्योंकि वह यहां रहने में सक्षम नहीं है तो यह उनके राष्ट्रपति बनने के बाद पहले दिन से यह खत्म होगा। डोनाल्ड ट्रंप जो वादा कर रहे हैं, अगर वह उसे पूरा करते हैं तो यकीनन इस फैसले का भारतीयों को सबसे ज्यादा फायदा होगा क्योंकि अमेरिका में हर साल लाखों की तादाद में भारतीय छात्र पढ़ते हैं।

अप्रवासियों के मुद्दे पर मुखर रहे हैं ट्रंप

उल्लेखनीय है कि ट्रंप जहां एक तरफ अमेरिका से स्नातक करने वालों को अमेरिका की नागरिकता देने की बात कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ट्रंप का अप्रवासियों के खिलाफ रवैया सख्त रहा है।

पाकिस्तान में कुरान की बेअदबी पर भीड़ ने थाने में लगा दी आग, आरोपी को जिंदा जलाया

स्वात, एजेंसी। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले में कुरान की कथित तौर पर बेअदबी से गुस्साई भीड़ ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी और इस दौरान फैली हिंसा में आठ लोग घायल हो गए। गुस्साई भीड़ ने आरोपी को गोलीमारकर उसे जला दिया। इसके बाद शव घसीटकर बाहर लाए और अधजले शव को लटका दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्वात के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) जहीदुल्ला ने बताया कि पंजाब के सियालकोट के रहने वाले व्यक्ति ने गुरुवार रात को स्वात की मदयान तहसील में कुरान के कुछ पन्ने कथित तौर पर जलाए थे। जहीदुल्ला ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में लेकर मदयान थाने लाया गया। थाने के बाहर भीड़ जमा हो गई और उन्होंने संदिग्ध को सौंपने की मांग की, जब पुलिस ने ऐसा करने से इनकार कर दिया तो भीड़ में से किसी ने गोली चला दी, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि दोनों ओर से हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे मदयान अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी ने बताया कि भीड़ ने उसके बाद थाने में आग लगा दी।

दुनिया पर चढ़ा योग का खुमार

वॉशिंगटन, एजेंसी। देश से लेकर विदेश तक 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उत्साह देखा जा रहा है। न्यूयॉर्क में भीषण गर्मी पड़ रही है, इसके लिए चेतावनी भी जारी की गई है। दिन के समय यहां का तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इतनी प्रचंड गर्मी के बावजूद योग के प्रेमियों का उत्साह कम नहीं हुआ। सभी राज्यों और क्षेत्रों से लोग सुबह-सुबह ही यहां पहुंच गए और योग करने के लिए मैट बिछा लिए।

दो दशकों से अधिक का अनुभव

योग प्रशिक्षक और श्वास ध्यान शिक्षिका ऋचा ढेकने ने न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित योग और ध्यान सत्र का नेतृत्व किया। बता दें आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की स्वयंसेवक के रूप में ढेकने को दो दशकों से अधिक का अनुभव है। कई अन्य योग शिक्षकों और विशेषज्ञों ने भी टाइम्स स्क्वायर पर पूरे दिन अलग-अलग तरीके के ध्यान, व्यायाम और श्वास से जुड़े योग कराए। दिनभर चली गतिविधियों में हजारों लोगों ने भाग लिया।

करीब आठ हजार से 10 हजार प्रतिभागी आए

वहीं, न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने कहा कि जैसा कि आप देख सकते हैं कि यहां कई देशों से आए योग प्रतिभागी मौजूद हैं और यह आज पूरे दिन चलने वाला है। उन्होंने कहा कि यहां करीब आठ हजार से 10 हजार प्रतिभागियों के योगाभ्यास करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मुझे वाकई खुशी है कि इस साल योग दिवस की थीम स्वयं और समाज के लिए योग है। मुझे यकीन है कि यह आज यहां और अमेरिका के अन्य विभिन्न हिस्सों में भाग लेने वाले सभी लोगों को प्रेरित करेगा।

सात योग सत्र आयोजित हुए

भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस दौरान सात योग सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न देशों के लगभग 10,000 लोगों ने भाग लिया। प्रधान ने प्रतिभागियों का अभिवादन किया और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए योग के फायदों के साथ ही प्रकृति के साथ सद्भाव को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ प्रवासी भारतीयों के सदस्यों ने भी योग सत्र में भाग लिया।

ा : बच्चों की देखभाल और उज्वल भविष्य की कामना को समर्पित दिन

चैरिटी रन तक, उत्साहवर्धक चैरिटी बिक्री से लेकर कॉर्पोरेट दान तक, समाज के सभी जगतों के लोग मदद के लिए हाथ बढ़ाकर बच्चों की स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए ठोस सहायता प्रदान करते हैं। स्वयंसेवक और दानी संगठन भी सक्रिय रूप से गतिविधियों के माध्यम से गरीब और विकलांग बच्चों को सहायता प्रदान करते हैं, ताकि प्रत्येक बच्चा बेहतर जीवन स्थितियों और शैक्षिक संसाधनों का आनंद ले सके।

चीन बाल चैरिटी दिवस का महत्व धन जुटाने से कहीं अधिक है, वह शिक्षा और वकालत के लिए भी एक महत्वपूर्ण मंच है। सरकारी संस्थाएं और गैर-सरकारी संगठन सेमिनारों, सार्वजनिक व्याख्यानों आदि के माध्यम से बच्चों के अधिकारों और हितों की सुरक्षा के बारे में जनता की जागरूकता बढ़ाते हैं और संबंधित कानूनों और विनियमों के सुधार और कार्यान्वयन को बढ़ावा देते हैं। मीडिया भी रिपोर्टों और विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से दान गतिविधियों के प्रभाव को फैलाने में पीछे नहीं रहती, ताकि अधिक लोग इस महान कार्य के बारे में समझ सकें और इसमें भाग ले सकें। जैसे-जैसे बच्चों के मुद्दों पर समाज का ध्यान गहराता जा रहा है, चीन बाल चैरिटी दिवस का प्रभाव भी बढ़ रहा है।

यह दिन न केवल दान गतिविधियों का एक केंद्रित प्रदर्शन है, बल्कि बच्चों के लिए पूरे समाज की देखभाल और जिम्मेदारी का भी प्रतिबिंब है। हम आशा करते हैं कि ऐसे प्रयासों के माध्यम से, प्रत्येक बच्चा अधिक समान और मैत्रीपूर्ण वातावरण में बड़ा हो सकता है और उसका कल आशाओं और सपनों से भरा हो सकता है।

चीन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी उद्योग की विकास रिपोर्ट जारी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के थ्येनचिन शहर में गुरुवार को विश्व स्मार्ट व्यवसाय मेला-2024 आयोजित हुआ। मेले में चीन की नई पीढ़ी की कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी उद्योग की वर्ष 2024 विकास रिपोर्ट जारी की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब चीन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता उद्यमों की संख्या चार हजार से अधिक हो चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता नए चरण की तकनीकी क्रांति और औद्योगिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति और रणनीतिक प्रौद्योगिकी बन गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने नवाचार पर निर्भर रहते हुए स्मार्ट चिप्स, बड़े मॉडल, बुनियादी ढांचा और ऑपरेटिंग सिस्टम, टूल चेन, डीप लर्निंग प्लेटफॉर्म और एप्लिकेशन प्रौद्योगिकी समेत कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी व्यवस्था, औद्योगिक नवाचार पारिस्थितिकी और उद्यम गठबंधन स्थापित किया है। औद्योगिक व्यवस्था को नया आकार देने और नवीन औद्योगीकरण को बढ़ाने में इसकी समर्थन की भूमिका दिख रही है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में चीन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कोर उद्योग का पैमाना 5 खरब 78 अरब 40 करोड़ युआन रहा, जिसकी वृद्धि दर 13.9 प्रतिशत है। योजना है कि वर्ष 2027 तक सालाना आय 2 करोड़ युआन से अधिक वाले राजकीय औद्योगिक उद्यमों में डिजिटल अनुसंधान और डिजाइन उपकरणों की प्रवेश दर 90 प्रतिशत से अधिक होगी।

संक्षिप्त समाचार

कोएलीशन फॉर डिजास्टर रिजीलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर और ओडिशा सरकार ने तटीय क्षेत्रों में पावर सेक्टर के लिए आपदा के बाद की स्थितियों का मजबूती से मुकाबला करने के लिए पेश की सिफारिशें

नई दिल्लीः कोएलीशन फॉर डिजास्टर रेजीलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर और ओडिशा सरकार ने संयुक्त रूप से 'डिजास्टर रेजीलिएंट पावर सिस्टम फॉर ओडिशा' नाम से एक रिपोर्ट जारी की है। इन सिफारिशों से निवेश, जोखिम की जानकारी से युक्त शासन और आपदा का मजबूती से मुकाबला करने की क्षमता के निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाने में मदद मिलेगी। भारी बारिश, बाढ़ और भीषण जलभराव जैसी आपदाओं के दौरान तटीय क्षेत्रों में बेहद जरूरी पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्बाध संचालन पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इन व्यवधानों के चलते रखरखाव की लागत बढ़ती है, संपत्ति को नुकसान होता है, सामाजिक-आर्थिक ढांचे को नुकसान होता है, साथ ही आपातकालीन सेवाएं भी बाधित होती हैं। इसके अलावा आपदा के समय प्रतिक्रिया में भी देरी होती है। मजबूत पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर ष्ष्ठक्रढ्ढ की यह रिपोर्ट तटीय क्षेत्रों, विशेष रूप से चक्रवात, तूफान और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में पावर सेक्टर की मजबूती को बढ़ाने के लिए एक विशेष पद्धति को पेश करती है। रिपोर्ट में दी गई प्रमुख सिफारिशों में विंड जोन के लिए कोड और मानकों में विस्तार, फाइनेंशियल प्लानिंग में जोखिम आकलन को एकीकृत करना, नीति, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण जैसी पहलों में मजबूती के घटक को शामिल करना शामिल है।

वित्त वर्ष 25 में अब तक वेदांता समूह सबसे बड़ा वेल्थ क्रिएटर बना; बाजार पूंजीकरण में 2.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी

नईदिल्ली। आम चुनावों के कारण बाजार में अस्थिरता को धता बताते हुए, वेदांता समूह (जिसमें वेदांता लिमिटेड, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड शामिल हैं) ने चालू वित्त वर्ष में अब तक दलाल स्ट्रीट पर निवेशकों के लिए अधिकतम धन अर्जित किया है। यह इसी अवधि के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदानी समूह, महिंद्रा समूह और टाटा समूह जैसे प्रमुख भारतीय कारोबारों में नजर आने वाली बाजार पूंजीकरण वृद्धि से अधिक है। 28 मार्च से 20 जून, 2024 के बीच वेदांता समूह का बाजार पूंजीकरण 2.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ गया। तुलनात्मक रूप से, अदानी और महिंद्रा समूहों ने अपने बाजार पूंजीकरण में 1.4 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि देखी। जबकि टाटा समूह का बाजार पूंजीकरण 60,600 करोड़ रुपये से अधिक बढ़ा, वहीं दिग्गज आरआईएल के बाजार मूल्य में 8200 करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। हिंदुस्तान जिंक के शेयरों में शानदार उछाल ने कंपनी में भारत सरकार की 29.5त्न हिस्सेदारी के मूल्य को दोगुना बढ़ाकर 80,000 करोड़ रुपये से अधिक कर दिया है। नीचे दी गई तालिका 28 मार्च से 20 जून के बीच उपर्युक्त समूहों के बाजार पूंजीकरण में पूर्ण वृद्धि को उजागर करती है।

तेजी को बढ़ावा देने वाले कारक - वेदांता और हिंदुस्तान जिंक के शेयरों में 52-सप्ताह के निचले स्तर से 2 गुना उछाल आया है, जिसमें प्रस्तावित विभाजन, प्रबंधन का लगातार डीलीवरेजिंग पर ध्यान और आय में उल्लेखनीय सुधार सहित कई सकारात्मक बातें शामिल हैं।

संक्षिप्त-खबर

राष्ट्रीय एडवेंचर कुल्लू मनाली में मुंगेली जिले से होंगे 10 बच्चे होंगे शामिल

मुंगेली (समय दर्शन)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ रायपुर राज्य मुख्य आयुक्त डॉ.सोमनाथ यादव एवं राज्य सचिव श्री कैलाश सोनी के निर्देशानुसार द्वारा 22 से 26 जून 2024 तक कुल्लू मनाली में राज्य स्तरीय पर्वतारोहण व्यक्तित्व विकास एवं आपदा प्रबंधन शिविर आयोजित है।जिसमें जिले के 05 स्काउट,05 गाइड एवं प्रभारी रोहिणी ठाकुर तथा युगल सिंह राजपूत समिल्लित हो रहे है। जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला आयुक्त स्काउट सी. के. घृतलहरे द्वारा ट्रैक शूट वितरण किया एवं यात्रा की शुभकामनाएं दी गई इस अवसर पर डीओसी स्काउट मोरजध्वज सप्रे , जिला प्रशिक्षण आयुक्त अमित गुप्ता ,पीताम्बर दास मानिकपुरी,नीरज खुसरो ,परमेश्वर राजपुत, आत्माराम साहू,कृष,ओम, पालेश्वर , ईशांत देव कुमार यादव,दिधिति,सरस्वती, लितेश चौहान, पायल, ज्योति यादव आदि उपस्थित रहें।

जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया, नगर भाजपा पाटन का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। नगर भाजपा पाटन द्वारा भारत की एकता व अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले प्रखर राष्ट्रवादी नेता, महान चिंतक और जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी बलिदान दिवस पर भाजपा द्वारा विश्राम गृह पाटन में डां. श्याम प्रसाद मुखर्जी जी के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण कर उनके बलिदान दिवस पर उन्हें याद कर दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किए इस अवसर पर भाजपा के इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष योगेश (निक्की)भाले, नगरअध्यक्ष होरीलाल देवांगन, अनिकेत मिश्रा नगरमहामंत्री केवल देवांगन जिला उपाध्यक्ष भाजपा युवा,निशा सोनी अध्यक्ष महिला मोर्चा मध्य पाटन छबिश्याम देवांगन, सीता देवांगन ममता शर्मा रेणुका बिजोरा विनोद बाघ देवेंद्र ठाकुर मोती मालेकर वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता बंधु मौजूद थे।

विचारों में आएगी पवित्रता नियमित करें योग - योगविद धनंजय

गरियाबंद (समय दर्शन)। जेल महानिदेशक जेल मुख्यालय रायपुर के निर्देशानुसार जिला जेल परिसर गरियाबंद में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रोटोकॉल अनुसार योगाभ्यास कराया गया।पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी अर्जुन धनंजय सिन्हा,जिला योग प्रचारक गणेश आजाद,योगाचार्य भागवत साहू द्वारा प्रोटोकॉल अनुसार मंत्र उच्चारण के साथ शिथिलीकरण अंतर्गत ग्रीवा चालन,स्कंध खिंचाव, स्कंध चालन,कटिशक्ति विकासक,घुटना संचालन,खड़े होकर किए जाने वाले ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, बैठकर किए जाने वाले दंडासन, वक्रासन, भद्रासन, अर्द्ध उष्ट्रासन, उष्ट्रासन, शसकासन,उत्तान मंडूकासन,वज्रासन,मरीच्यासन,पेट के बल लेटकर किए जाने वाले मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, पीठ के बल किए जाने वाले सेतुबंध आसन, उत्तानपादासन,अर्ध हलासन, पवन मुक्तासन,योग निद्रा का अभ्यास कराया गया।कपालभाति,अनुलोम विलोम, शीतली प्राणायाम,भ्रामरी प्राणायाम और ध्यान का सूक्ष्मता के साथ अभ्यास कराया गया।पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी योगविद अर्जुन धनंजय सिन्हा ने कहा कि आत्म नियंत्रण का श्रेष्ठ और सशक्त माध्यम योग है।

Name Change

The general public is informed that I, Yatendra Kumar Chandrakar Father Mohan Lal Chandrakar Road 30 Block 9/A Sector-8 Bhilai, District Durg Chhattisgarh 490006 do swear that I have given my old name. I have given up my new name Yatendra Chandrakar.

Therefore, from today onwards, I should be known by my new name Yatendra Chandrakar, father Mohan Lal Chandrakar, in all government, semi- government and other documents.

Yatendra Chandrakar father Mohan Lal ChandrakarRoad 30 Block 9/A Sector 8 District Durg (Chhattisgarh) 490006

योग पूरे विश्व को शांति और सद्भावना का संदेश भी देता- देवांगन

योग विश्व को शांति और सद्भावना का संदेश देता है- लखन लाल देवांगन

कवर्धा (समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 को जिला मुख्यालय कवर्धा के पीजी कॉलेज मैदान के डोम में जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि थे। उन्होने मां सरस्वती के तैल्यचित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

प्रभारी मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि ऋषि मुनियों ने आदिकाल से योग के महत्व को समझा और पूर्व में जब चिकित्सा की सुविधा नहीं थी तब योग के माध्यम से अपने शरीर को स्वस्थ रखते थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में पहल करके 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करवाया। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि योग न केवल शरीर और मन को स्वस्थ रखता है, बल्कि यह पूरे विश्व को शांति और सद्भावना का संदेश भी देता है। उन्होंने सभी लोगों से नियमित योगाभ्यास करने का आग्रह किया है ताकि वे बेहतर स्वास्थ्य और सुखमय जीवन का आनंद ले सकें। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर दुनिया भर में योग सत्रों, कार्यशालाओं और अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जिसमें लाखों लोग भाग लेते हैं।

योग दिवस के अवसर पर जिले भर में लोगों ने उत्साह के साथ जगह जगह योगाभ्यास किया। मुख्य आयोजन के अतिरिक्त जिला न्यायालय, जिला जेल, जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुशीला भट्ट, नगर पालिका अध्यक्ष मनहरण कौशिक, पूर्व विधायक एवं संसदीय सचिव डॉ सियाराम साहू, पूर्व विधायक अशोक साहू, कवर्धा जनपद अध्यक्ष श्रीमती इंद्राणी दिनेश चंद्रवशी, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, श्रीकांत उपाध्याय, रामबिलास चंद्रवंशी, पार्षद रिंकेश वैष्णव, मनिराम साहू सहित कलेक्टर जनमेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, वनमंडलाधिकारी शशि कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप कुमार अग्रवाल, सहीज जिले के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, स्कूली छात्र-छात्राएं, स्वामी विवेकानंद एकेडमी के खिलाड़ियों ने योगा अभ्यास किया।

जिला न्यायालय में किया गया योगाभ्यास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज जिला न्यायालय में न्यायाधीशगणों ने योग किया। प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे के निर्देश पर जिला न्यायालय परिसर के एडीआर भवन में योग का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें सभी न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट एवं न्यायिक कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया। योग प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में आज प्रात 7 बजे योगासन शुरू हुआ जिसमें ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, हस्तपादासन, पवनमुक्तासन, मकरासन आदि के साथ ही प्राणायाम कराया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के स्टेट प्लान ऑफ एक्शन माह जून 2024 के तहत प्रधान न्यायाधीश श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे के निर्देश पर तालुका न्यायालय पंडरिया, जिला जेल कवर्धा सहित अलग-अलग स्थानों पर आज योगा आयोजन किया गया। जिला जेल में पीएलव्ही विजय नामदेव द्वारा योगासन कराया गया वहीं, पीएलव्ही् दीनदयाल कौशिक द्वारा ग्राम पंचायत धमकी, श्रीमती चित्रेखा चौरे द्वारा गंगानगर आंगनबाड़ी कवर्धा, सालिक रामबांधवे द्वारा वार्ड नं. 14 पंडरिया में योग कराया गया। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की एक विशेष थीम छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा रखा गया है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर बृक्षारोपण

बसना(समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी मण्डल बसना में आज दिनांक 23 जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी कि पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया।

जिसमें मुख्यरूप से महासमुन्द लोकसभा कीं लोकप्रिय सांसद श्रीमती रुपकुमारी ओमप्रकाश चौधरी,बसना विधानसभा संयोजक डॉ एन.के.अग्रवाल,मण्डल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल के नेतृत्व में मनाया गया। भारतीय जनता पार्टी मण्डल बसना के अनेक जेष्ठ एवं श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं की उपस्थिति मे मुखर्जी के बलिदान पर बौद्धिक कार्यक्रम पश्चात सभी की उपस्थिति में आदरणीय सांसद महोदया जी के द्वारा वृक्षारोपण का कार्य किया गया।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में योग दिवस मनाया गया

बसना(समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है । यह दिन उत्तरी गोलार्द्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और योग भी मनुष्य को दीर्घायु बनाता है। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी । भारत के इस प्रस्ताव को 90 दिन के अंदर पूर्ण बहुमत से पारित किया गया । यह वैश्विक परिघटना प्राचीन भारतीय योग पद्धति तथा शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण पर इसके गहन प्रभाव को मान्यता प्रदान करती है । 21 जून को सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसना में योग दिवस वरिष्ठ आचार्य गोवर्धन प्रधान एवं नगर के प्रबुद्ध व्यावसायिक रमेश अग्रवाल के संरक्षण में मनाया गया। सर्वप्रथम योग मंत्र गीत के साथ अनुलोम-विलोम, कपालभाति, ताड़ासन, पद्मासन, शलभाशन, शशांक आसन, बज्रासन, भुजंगासन, भ्रामरी, तिकोनाशन, पवनमुक्तासन आदि योगाभ्यास करवाया गया। जिसमें अपने अंदर सकारात्मक ऊर्जा और बेहतर प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए अब योग का महत्व और अधिक बढ़ गया है,,जिसमे प्रभावित होकर अनेको आचार्य-भृत्य और भैया बहिन शामिल हुए ।

कश्मीर के लिए अपने प्राणो की आहूति देने वाले बलिदानी श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी पुण्यतिथि पर भाजपा ने किया याद

जांजगीर (समय दर्शन)। जांजगीर जिला भाजपा कार्यालय मे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ ने डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उ पुण्यतिथि पर याद करते हुए उनके दिन को बलिदान दिवस के रूप मे मनाया इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गुलाब चंदेल ने कहा कि डाक्टर मुखर्जी जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन सच्चे देशभक्त के रूप मे बिताया वो आजाद भारत के प्रथम बलिदानी थे जिन्होंने कश्मीर को भारत मे मिलाने के लिए अपने प्राणो की आहूति दे दी जिला महामंत्री पुरूषोत्तम शर्मा ने स्व श्री मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी लगातार 70 वर्षो से कश्मीर को भारत मे विलय कराने की लड़ाई को लगातार लड़ते हुए इस सपने को 2019 मे पूरा किया किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष धनंजय सिंह ने कहा कि डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जीवन से हम सभी कार्यकर्ताओ को प्रेरणा लेकर अपने जीवन का कण कण देश के परम वैभव को शिखर तक पहुंचाना है जिला उपाध्यक्ष अमर सुलतानीया ने कहा कि देशभक्त डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि हमारे देश मे दो निशान दो विधान नही चलेंगे और कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है जहा धारा 370 लागू नही होना चाहिए कार्यक्रम का संचालन विवेका गोपाल एवं आभार मंडल अध्यक्ष आशुतोष गोस्वामी ने किया उक्त कार्यक्रम मे महामंत्री यशवंत साहु उपाध्यक्ष संतोष अग्रवाल नंद चौधरी अनुराधा शुक्ला शेषशंकर तिवारी अभिमन्यु राठौर बद्री केशरवानी सुमित प्रताप सिंह पंकज अग्रवाल अमित यादव मोहन यादव प्रदीप सोनी अनिल शर्मा प्रेमलता कौशिक डाक्टर धनेशवरी जागृति सरोज साहु धर्मेंद्र राणा मुकेश भोपालपुरिया उमेश राठौर पुष्पेनदर निर्मलकर पलाश चंदेल सुशील सिंह दिनेश राठौर सोनु यादव प्रदीप राठौर दिव्याश चंदेल गोलू दुबे अजय कौशिक योगेश चौरसिया देवानंद गढ़वाल संतोष यादव सुरेंद्र यादव सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कबीरदास जी की वाणी को आत्मसात कर, उनके बताए मार्ग पर चलें -कुलबीर छाबड़ा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। मानवीय एकता के मसीहा एवं सत्य अहिंसा के प्रवर्तक युगदृष्टा संत कबीर दास जी का 627वां प्राकट्य महोत्सव 22 जून, शनिवार को कबीर पंथ समाज द्वारा मनाया गया। ग्राम मोहड़ वार्ड क्रमांक 49 में कबीर पंथी साहू समाज द्वारा संत कबीर दास जी का प्राकट्य महोत्सव मनाया गया। इस दौरान सुबह 10 से 12 बजे तक ग्राम में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो ग्राम में भ्रमण करते हुए कबीर कुटिया में समाप्त हुई, इसके बाद चौका आरती का आयोजन किया गया।

चौका आरती महंत राजू साहेब जी दामाखेड़ा द्वारा किया गया। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा कबीर प्राकट्य समारोह मोहड़ में शामिल होकर महंत राजू साहेब जी से आर्शीवाद लिया। इस दौरान उपस्थित सामाजिकजनों को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री छाबड़ा ने कहा कि संत कबीर दास जी महज एक नाम नहीं हैं, वह मानवता की एक पूरी मिसाल हैं, मानव को मानवता की ओर ले जाने में संत कबीर दास जी का अहम योगदान रहा है। ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन कबीर साहेब का जन्म हुआ था मैं आज उनके 627वें प्राकट्य महोत्सव पर उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूँ। श्री छाबड़ा ने कहा कि संत कबीर साहेब जी की वाणी के एक-एक बात अनमोल हैं, उनकी वाणी को संकल्प के साथ अपने जीवन में आत्मसात करें, उनके बताएं मार्ग पर चले। संत कबीरदास जी अपना पूरा जीवन समाज की बुराइयों को दूर करने में लगा दिया। कबीर दास ने अपने दोहों, विचारों और जीवनवृत्त के माध्यम से सामाजिक और धार्मिक, आध्यात्मिक जीवन में अतुलनीय योगदान है।

इस दौरान प्रमुख रूप से शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष याहया खान, मदन साहू, स्वतंत्रदास साहू, कन्हैया हिरवानी, संतोष हिरवानी, नारायण हिरवानी, उत्तम साहू, पदम बाई हिरवानी, असनसुईया बाई, फुलबासन हिरवानी, मालती साहू, राजेश्वरी साहू सहित बड़ी संख्या में सामाजिक भाई.बंधु उपस्थित थे।

रविवार को भी नही रुका राजस्व अमला,टैक्स वसूलने दो दर्जन कर्मचारी घर-घर दे रहे दस्तक

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर राजस्व वसूली को लेकर दुर्ग निगम का अभियान आज रविवार को अवकाश के दिन भी जारी रहा। निगम के राजस्व विभाग अमला ने रविवार को बकायादारों के कार्यालय में बैठकर एवं घर-घर पहुंचकर राजस्व वसूली किया। राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता व सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर नेतृत्व में वसूली को लेकर निगम अमला सुबह से सक्रिय रहा।सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर ने बताया कि बड़े बकायादारों से निरंतर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।इस कड़ी में आज बड़े बकायदारों से लगातार संपर्क किया गया है।

आयुर्वेद चिकित्सा से होता है, रोगों का समूल नाश -चातुरी नंद

सरायपाली (समय दर्शन)। क्षेत्र के ग्राम छिंदपाली में आयोजित नि:शुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला में क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद शामिल हुईं।

सर्वप्रथम भगवान धन्वंतरि के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर विधायक चातुरी नंद और अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक नंद ने कहा कि आयुर्वेद विभाग द्वारा विकासखंड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला आयोजित करने से क्षेत्र के आमजनों को आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि ऐसे मेले का आयोजन लगातार किया जाना चाहिए ताकि ग्रामीणों को आयुर्वेद का समुचित लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद पुरातन चिकित्सा पद्धति के साथ-साथ हमारी धरोहर हैं। आयुर्वेद चिकित्सा से लाभ भले ही देर से होता है, लेकिन इससे रोगों का समूल नाश होता है।

कार्यक्रम में आयुर्वेद विभाग के उप संचालक डॉ सुनील दास ने आयुर्वेद की महत्ता पर प्रकाश डाला और ग्रामीणों को आयुर्वेद चिकित्सा की बारीकियों से अवगत कराते हुए उन्हें अपने दैनिक जीवन में आयुर्वेद पद्धति को अपनाने की अपील की।

कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल वरिष्ठ कांग्रेस नेता विश्वनाथ नायक ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में आदिवासी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मोहन लाल भोई, जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्य तन्मय पंडा, डॉ भोई, डॉ दुष्यंत प्रधान समेत आयुर्वेद विभाग के कर्मचारी और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उपस्थित होकर अपना उपचार कराया जिनका स्वास्थ्य परीक्षण कर मौके पर ही उन्हें दवाइयां दी गई।

उल्लेखनीय है कि विकास खंड स्तरीय आयुष मेला का लाभ लेने के लिए ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान इस तरह के मेला लगाने जाने के कार्यों की सराहना की।

|| न्यायालय नजूल अधिकारी कबीरधाम (छ.ग.) ||

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र.ई.पंजी./202406082200012 / अ- 6 / वर्ष 2023-24

आवेदक नितिन कुमार सोनी पिता स्व. भागीरथी सोनी साकिन कवर्धा जिला कबीरधाम द्वारा नजूल नगर कवर्धा स्थित शीट क्रं.-16ए भू-खण्ड क्रं. 33/3 क्षेत्रफल 59.00 व.मी. जो नजूल संधारण खसरा में भागीरथी पिता रामेश्वर के नाम पर दर्ज है। उक्त भू-खण्ड के मूल धारक भागीरथी की मृत्यु दिनांक 26.04.2021 को हो जाने के कारण उनके वैध वारिसों का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को उजर अथवा आपत्ति हो वे इस न्यायालय में दिनांक 09/07/24 तक स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर मान्य नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 20/06/24 को इस न्यायालय के पद मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

जारी दिनांक 20 /06/ 2024
पेशी दिनांक 09/07/2024

मुहर

नजूल अधिकारी, कबीरधाम

|| न्यायालय नजूल अधिकारी, दुर्ग जिला-दुर्ग (छ.ग.) ||

// उद्घोषणा-पत्र //

नजूल अधिकारी, दुर्ग का प्र.क्र. 20240610350000 2अ 20(3)/2023-24

आवेदक श्री ज्ञानचंद जैन पिता स्व. श्री ताराचंद जैन उम्र 66 निवासी- म.नं. 17 मालवीय नगर, दुर्ग जिला-दुर्ग द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मालवीय नगर दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 15002/2 का भाग रकबा 4800 व.फु जिस पर मकान न 17 निर्मित है को विक्रेता प्रबंधक, दुर्ग जिला गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, राजनांदगांव (छ.ग.) से पंजीकृत बयनामा दिनांक 10/6/24 को क्रय किया गया है जिसके आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदित भूमि से विक्रेता का नाम विलोपित कर आवेदक / क्रेता के नाम पर नामांतरण किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो वह अपना आपत्ति/ दावा प्रकरण में 15 दिवस के भीतर न्यायालय नजूल अधिकारी, दुर्ग के समक्ष स्वतः अथवा अपने प्लीडर के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19-06-24 को को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

नजूल अधिकारी, दुर्ग

|| न्यायालय नजूल अधिकारी, दुर्ग जिला-दुर्ग (छ.ग.) ||

// उद्घोषणा-पत्र //

नजूल अधिकारी, दुर्ग का प्र.क्र. 202406103500001 अ 20(3)/2023-24

आवेदक श्री सुनील जैन पिता स्व. श्री ताराचंद जैन उम्र 66 निवासी- म.नं. 16 मालवीय नगर, दुर्ग जिला-दुर्ग द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मालवीय नगर दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 15002/2 का भाग रकबा 4800 व.फु जिस पर मकान निर्मित है को विक्रेता प्रबंधक, दुर्ग जिला गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, राजनांदगांव (छ.ग.) से पंजीकृत बयनामा दिनांक 10/6/24 को क्रय किया गया है जिसके आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदित भूमि से विक्रेता का नाम विलोपित कर आवेदक/क्रेता के नाम पर नामांतरण किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो वह अपना आपत्ति / दावा प्रकरण में 15 दिवस के भीतर न्यायालय नजूल अधिकारी, दुर्ग के समक्ष स्वतः अथवा अपने प्लीडर के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/6/24 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय में मुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर

नजूल अधिकारी, दुर्ग

संक्षिप्त-खबर

उत्कल समाज ने किया जगन्नाथ स्वामी का देव स्नान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। घासी उत्कल समाज द्वारा आगामी रथ यात्रा की तैयारियां जोरों पर चल रही है। इसी तारतम्य में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी जी का आज देव स्नान कराया गया। रथ यात्रा की अन्य तैयारियां भी युद्धस्तर पर जारी है।

उत्कल घासी समाज एवं जगन्नाथ समिति के संरक्षक गोलू नायक ने उक्ताशय की जानकारी बताया कि, आगामी 7 जुलाई को उत्कल घासी समाज एवं जगन्नाथ रथ यात्रा समिति के तत्वाधान में नगर में निकाले जाने वाली रथ यात्रा की तैयारियां जोरों पर है। इसी तारतम्य में पखवाड़े भर पहले भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी जी का आज देव स्नान कराया गया। इसके बाद जैसे-जैसे रथ यात्रा की घड़ी नजदीक आती जायेगी, अन्य धार्मिक अनुष्ठान भी समय-समय पर और पूरे विधि-विधान से संपन्न कराये जायेंगे। रथ यात्रा को निकलने में लगभग पखवाड़े भर का समय शेष है। ऐसे में रथ यात्रा की तैयारियां समय दर समय रफ्तार पकड़ती जा रही है। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण हो चुकी है और जो तैयारियां शेष रह गई है उन्हें भी समय-सीमा के भीतर पूर्ण कर लिया जायेगा। आगे उन्होंने बताया कि, इस बहुप्रतिक्षित रथ यात्रा को लेकर घासी उत्कल समाज सहित पूरे नगर में हर्ष का माहौल है। घासी उत्कल समाज ने सभी सामाजिक बंधुओं और नगर के सभी धर्म प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में रथ यात्रा में शामिल होने की अपील की है।

उक्त कार्यक्रम में शीला सोनी, श्याम नायक, सतीश सोनी, सुनील सोनी, संदीप सोनी, कान्हा सोनी, सतीश सोनी, शीतल नाग, लकी बघेल, डॉली बघेल, ममता सोनी, नीतू सोनी, रोशन पात्रे आदि समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मनवा कुर्मी समाज पाटन राज की राज मंत्री को अहम जिम्मेदारी मिला केदार कश्यप को, राज प्रधान युगल आडिल की टीम में शामिल

पाटन (एजेंसी)। पाटन राज मनवा कुर्मी समाज के कार्यकारिणी की घोषणा आज राज्य प्रधान युगल किशोर आडिल ने किया । इसमें सबसे महत्वपूर्ण पद राज्य मंत्री की जिम्मेदारी समाज के वरिष्ठ केदार कश्यप को दिया गया । बता दे की केदार कश्यप लगातार पाटन राज मनवा कुर्मी समाज से जुड़े हुए हैं एवं विभिन्न पदों को सुशोभित करते हुए जिम्मेदारी से काम भी किए हैं। इससे पहले केदार कश्यप समाज के कार्यालय प्रभारी, सचिव, कोषाध्यक्ष, सहायक निर्वाचन अधिकारी का कार्य संभाल चुके है।

एनएमडीसी किरंदुल ने मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

किरंदुल (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा किरंदुल परियोजना में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष इस वर्ष भी 21, जून, 20024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर परियोजना विद्यालय में योगाभ्यास किया गया। सर्वप्रथम परियोजना प्रबंधन समिति के सर्वश्री एम. सुब्रमण्यन, महाप्रबंधक (विद्युत), एस. के. कोचर, महाप्रबंधक (खनन) ने दीप प्रज्वलन कर कार्यकम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथियों ने जीवन में योग के अनन्य महत्व को रेखांकित किया। बी. के. माधव उप महाप्रबंधक (कार्मिक) ने स्वागत भाषण में कहा कि योग जीवन का अभिन्न अंग है। व्यक्ति को अपने आरोग्य को चुस्त-दुरस्त रखने के लिए नियमित योगाभ्यास करना चाहिए। योग प्रशिक्षक सर्वश्री राजेश सिन्हा, तुलेश्वर निषाद ने उपस्थित सभी को योगाभ्यास करवाया। इसमें बीआईओपी स्कूल, डीएवी स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, प्रकाश विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित महिलाओं ने भी योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में सर्वश्री आर. इम्प्रान, महाप्रबंधक (सिविल) ठेका विभाग, सेल्वा कुमार, महाप्रबंधक (यांत्रिक) सेवाएं, एस. गुहा, उप महाप्रबंधक (वित्त), टी. रामनाथ उप महाप्रबंधक (सिविल), डी. विजय कुमार, प्रबंधक (कार्मिक), ए.के. सिंह, सचिव, एमएमडब्ल्यूयू, प्रतिनिधि एसकेएमएस नरसिम्हा रेड्डी सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। योग दिवस कार्यक्रम का संचालन दिनेश साहू एवं धन्यवाद ज्ञापन कुनामी हसंदा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सर्वश्री बिकाश साहू, जिआउल हसन, मोती लाल साहू तथा कार्मिक विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लोक आस्था सेवा संस्थान एवं वूमेनिटी व दसरा द्वारा विधिक शिविर का आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। लोक आस्था सेवा संस्थान एवं वूमेनिटी व दसरा के सहयोग से ऑक्सन हॉल गरियाबंद में एक दिवसीय विधिक शिविर का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम की शुरुवात संस्था अध्यक्ष हेम नारायण मानिकपुरी के द्वारा संस्था के कार्य के बारे में जानकारी मे बताया कि संस्था 2006 से बच्चे एवं महिलाओं के उत्थान के लिए निरंतर काम कर रही है ।जिसके अंतर्गत क्षमतावर्धन का कार्य जिसमें पेंशन,राशन,वन अधिकार, घरेलू हिंसा व अन्य आजीविका को लेकर लोगो को जागरूक किया जा रहा है।

न्यायधीश यशवंत वासनीकर (विशेष सत्र न्यायालय गरियाबंद) के द्वारा पॉक्सो कानून के बार में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया कि 18 साल से कम उम्र के किसी बच्चे (चाहे लड़का हो या लड़की) के साथ यौन अपराध हुआ या करने का प्रयास किया गया,तो ऐसे मामले पॉक्सो कानून के अंतर्गत आते हैं7 यह कानून बच्चों को लैंगिक हमले,लैंगिक उत्पीड़न और अश्लील चित्र व साहित्य के इस्तेमाल जैसे अपराधों से सुरक्षा प्रदान करता है ।ऐसे अपराधों का विचारण करने के लिए विशेष न्यायालयों की स्थापना की गई हैं विस्तार से जानकारी दिया ।न्यायधीश श्रीमती तेजेश्वरी देवी देवांगन (अपर एवं जिला एवं अपर सत्र न्यायलय गरियाबंद) के द्वारा महिलाओं से संबंधित विभिन्न कानून के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अब ओ जमाना गया जब महिलाएं रसोई तक सीमित रहती थी ।महिलाएं अब पुरुष के साथ कंधा से कंधा मिलाकर काम कर रही है ।महिलाओं के साथ कार्य स्थल चाहे सरकारी हो या निजी संस्थान में लैंगिक उत्पीड़न होता है तो वह लैंगिक उत्पीड़न निवारण समित के पास शिकायत कर सकती है ।घरेलू हिंसा,कन्या भ्रूण हत्या,दहेज़ प्रताड़ना अधिनियम,फैक्ट्री अधिनियम 1948,बच्चे को गोद लेने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार जानकारी देकर समझ बनाया ।साथ ही कहा की पैतृक संपत्ति में महिला को भी पुरुष के समान बराबर का अधिकारी है ।इसके बाद माननीय न्यायधीश प्रशांत कुमार देवांगन (व्यवहार न्यायालय गरियाबंद)के द्वारा जानकारी दिया की 18 वर्ष के कम उम्र के बच्चे किसी भी प्रकार के अपराध में शामिल होता है तो उस बालक को पुलिस अरेस्ट नही कर सकता,जेल भेज सकते है ।उसे सुधार हेतु संप्रेक्षण गृह भेजा जाता है ।इसे बच्चो का विचारण बाल न्यायलय में किया जाता है,अपराध सिद्ध होने पर बच्चे को विशेष गृह भेजा जाता है।

शहीद वीर नारायण सिंह चौक बसना पदमपुर रोड पर जाम की स्थिति होने से यातायात हो रहा बाधित

हमेशा दुर्घटना की बनी हुई है आशंका

बसना(समय दर्शन)। बसना शहर के प्रमुख स्थल शहीद वीर नारायण सिंह चौक पदमपुर रोड पर प्रतिदिन जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। बता दें कि हर दिन दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। विभाग को ध्यान आकृष्ट कराने के बावजूद गंभीरता नहीं दिखा रही है, लगता है इन्हें कोई अप्रिय घटना घटने का इंतजार है। बसना शहर का हृदय स्थल जहां पर प्रतिदिन हजारों लोगों का आना जाना निरंतर बना रहता है। शहीद वीर नारायण सिंह चौक से उड़ीसा की तरफ जाने वाली मार्ग पदमपुर,पाईकमाल , नरसिंहनाथ तीर्थ स्थान को जोड़ता है। बसना से महज 12 किलोमीटर दूरी के बाद उड़ीसा लग जाता है। बसना क्षेत्र का अधिकांश भाग उड़ीसा सीमा से लगे होने के कारण बसना नगर प्रमुख व्यापारिक केन्द्र है। यहां पर व्यापारियों, गांव की आम जनता का आवागमन होते रहता है ।दो पहिया,चार पहिया वाहन के अलावा बड़े बड़े ट्रकों का पदमपुर रोड से भारी संख्या में प्रतिदिन इसी रास्ते से गुजरती है। हजारों की संख्या में लोगों के आने जाने एवं वाहनों के बेतरतीब खड़े करने से रोड जाम हो जाता है। यातायात को व्यवस्थित करने के लिए चौड़ीकरण किया जाना आवश्यक है। रोड के किनारे पर लगे हुए दुकानों , गुमटी को व्यवस्थित किया जाना आवश्यक है ताकि यातायात सुचारू रूप से संपादित हो सके।

यातायात व्यवस्था हेतु ट्रैफिक पुलिस की अत्यंत आवश्यकता

उल्लेखनीय है कि पूर्व समय मे निवर्तमान पुलिस अधीक्षक महासमुन्द नेहा चंपावत ने पत्रकारों के निवेदन को स्वीकार करते हुए ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था की गई थी। नेहा चंपावत के तबादले के पश्चात् ट्रैफिक पुलिस को जिला मुख्यालय बुला लिया गया। यातायात व्यवस्था चुस्त दुरुस्त करने के लिए दो ट्रैफिक पुलिस की आवश्यकता है ,साथ ही सड़क का चौड़ीकरण हो। बेतरतीब खड़े वाहनों पर चालानी कार्रवाई हो,, जो यातायात को बाधित करता हो,, तभी इस समस्या से निजात मिल पायेगा। शहीद वीर नारायण सिंह चौक के सभी मार्ग अतिक्रमण मुक्त हो,, ताकि आने जाने वाले राहगीरों को किसी भी प्रकार से परेशानी न हो और दुर्घटना से बचा जा सके।

शिक्षा व परीक्षा की विश्वसनीयता भाजपा सरकार में कलंकित - शाहिद भाई

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री शाहिद भाई ने नीट परीक्षा धांधली के गंभीर तथ्यों को उजागर करते केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज देश की संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता लगभग समाप्ति की ओर है, वहीं शिक्षा और परीक्षा की दुर्गति से देश के युवाओं का भविष्य खतरे में है। क्योंकि चिकित्सकीय शिक्षा की अति विश्वसनीय नीट परीक्षा में जिस प्रकार से धांधली की बातें प्रमाणित हो रही है, वह केंद्र सरकार की निरंकुशता के कारण ही है। पेपर लीक सहित इस मामले भाजपा शासित राज्य ही शामिल हैं।

प्रदेश महामंत्री शाहिद भाई ने कहा कि डॉक्टर बनने के सपने को पूरा करने अथक प्रतिभाशाली परिश्रमी 23 लाख से अधिक बच्चों ने नीट के एग्जाम में शामिल हुए। 9 फरवरी से 9 मार्च लिए पंजीयन साइट खोल गया और 9 मार्च के पश्चात एक सप्ताह के लिए इसे बढ़ाया गया, उसके बाद 9 अप्रैल को फिर से

रजिस्ट्रेशन साइट खोलने एवं 11 से 15 अप्रैल तक साइड को करेक्शन के लिए ओपन करना ही अपने आप में परीक्षा को धांधली की ओर अग्रसर करने का कार्य रहा है।

5 को परीक्षा सम्पन्न के बाद से ही पेपर लीक के विभिन्न मामले सामने आ गए थे। गुजरात में भाजपा नेता की संकल्पितता भी उजागर हुई थी और उसके पश्चात जिस प्रकार से एनटीए ने 16 से 17 वर्ष के बच्चों की भविष्य के साथ जो खिलवाड़ किया, उसकी मार पूरे परिवार पर भी पड़ा। सही जवाब के चार अंक और गलत जवाब में एक माइंस अंक के नियम से आयोजित इस परीक्षा में 67 बच्चों को ग्रेस मार्क दिया गया, जिसमें 44 बच्चों को गलत उत्तर के लिए और 6 बच्चों को समय के कारण यह अंक दिए गए जिससे 75 प्रतिशत टॉपर तो ग्रेस अंक से ही टॉपर बन गए। सबसे गंभीर स्थिति यह रही कि वर्ष 2018 के एनसीईआरटी के बुक में छपे गलत उत्तर का हवाला देते हुए इन बच्चों को ग्रेस मार्क देने का घिनौना खेल एनटीए ने किया, जबकि 2018 में छपे बुक में गलत उत्तर को वर्ष 2019 में ही सही कर दिया गया था।

अत: इस पर ग्रेस अंक देना ही गलत है और तो और परीक्षा के पश्चात आंसर शीट भी एनटीए ने जारी किया और जिन छात्रों ने परीक्षा में जो आंसर लिखे थे और एनटीए द्वारा जारी आंसर शीट से मिलान करने पर भी अंको का फर्जीवाड़ा उजागर हुआ। इन सब भ्रष्टाचार को छिपाने परीक्षा का परिणाम 10 दिन पहले लोकसभा चुनाव परिणाम के दिन 4 जून को परिणाम घोषित कर दिया, ताकि मीडिया की नजरों से यह मामला ना आए। एनटीए का भ्रष्टाचार यहीं नहीं बल्कि उन्होंने माननीय सुप्रीम कोर्ट के भी निर्णय की गलत व्याख्या कर वर्ष 2018 के क्लेट परीक्षा के मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए छात्रों को ग्रेस अंक देने का भी घिनौना खेल खेल दिए इन सब मामलों के बाद भी केंद्र की भाजपा सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है, अन्य पर दोषारोपण कर अपना पल्ला झाड़ने का प्रयास कर रही है। 7 वर्ष में 70 पेपर लीक के मामले जिससे 1.4 करोड़ लोगों के जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, वहीं शिक्षा अध्ययन के बाद देश में आज युवाओं को बेरोजगारी की मार झेलनी पड़ रही है। वहीं 16 17 वर्ष के छात्र-छात्राओं को परीक्षा में धांधली का शिकार होना पड़ रहा है, जिस देश की शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था कलंकित हुई, उसके बाद भी केंद्र सरकार की नाकामी से विश्वसनीय खतरे में है। कांग्रेस इस मामले को लेकर जन आंदोलन की ओर अग्रसर है।

सिटी क्लब में बनेगा स्विमिंग पुल - विधायक गजेंद्र की पहल

तैराकी में भविष्य बनाने वालों को मिलेगा अवसर

दुर्ग (समय दर्शन)। तैराकी में रूचि रखने वालों के लिए अच्छी खबर है। दुर्ग में जल्द ही अत्याधुनिक स्विमिंग पुल बनने वाला है। चयनित स्थल स्टेशन रोड स्थित सिटी क्लब का आज विधायक गजेंद्र यादव ने निरिक्षण किया। लगभग 1700 स्क्वायर फिट में पुल बनने के साथ ही चेंजिंग रूम, कैंटीन और फूलों से सुसज्जित गार्डन से अच्छा वातावरण मिल सके।

विधायक गजेंद्र की पहल से शहर में सर्वसुविधायुक्त स्विमिंग पुल का निर्माण किया जाएगा। लंबे समय शहर के तैराक इसकी मांग कर रहे थे। खिलाड़ियों की मांग को संज्ञान में लिए और विभागीय अधिकारीयों को ड्राइंग डिजाइन तैयार कर इस्टीमेट मांगे थे। आज मॉर्निंग विजिट में विधायक श्री यादव और कलेक्टर सुश्री ऋचाप्रकाश चौधरी ने स्थल का निरिक्षण किया और मौके पर इंजिनियर द्वारा तैयार डिजाइन का अवलोकन किये। इस दौरान सिटी क्लब के बिल्डिंग को भी रिनोवेशन करने के निर्देश दिए ताकि परिसर का माहौल अनुकूल रहे।

पुल के तैयार होने पर शहर के नागरिक आकर स्विमिंग कर सकेंगे। यहां पर स्विमिंग सीखने के साथ-साथ स्विमिंग के टूर्नामेंट भी हो सकेगा। लोगों के लिए यहां स्विमिंग सीखने के लिए अच्छी जगह के रूप में विकसित किया जाएगा।

गार्डन और कैंटीन की सुविधा भी मिलेगी -

लगभग 1.50 करोड़ की लागत से 1700 स्क्वायर फिट में नये बनने वाले स्विमिंग पुल में वॉटर फिल्टरेशन मशीन होगा जिससे पुल का पानी स्वच्छ रहे।

विधायक एवं कलेक्टर ने निरिक्षण के दौरान क्लब परिसर में चेंजिंग रूम और गार्डन बनाने कहा मौके पर उपस्थित इंजिनियर ने बताया की महिला, पुरुष व बच्चों को ध्यान में रखते पुल का डिज़ाइन तैयार किया गया है साथ ही कैंटीन की सुविधा, फूल और सजावटी पौधों से सुसज्जित गार्डन तैयार किया जाएगा। ताकि खेल सम्बंधित आयोजन हो सके।

समाजसेवी सत्येन्द्र राजपूत ने कियाअपना 27वा रक्तदान

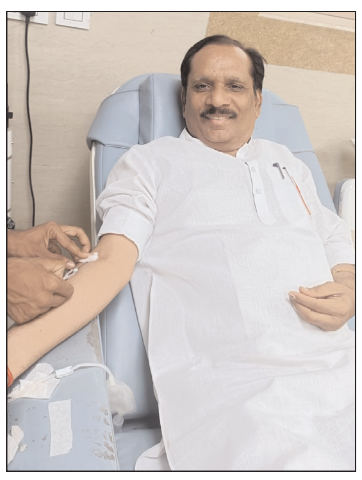

दुर्ग (समय दर्शन)। विश्व रक्तदान दिवस अवसर पर समाज सेवी, नवदृष्टी फाउंडेशन के सक्रिय सदस्य एवम महाराणा प्रताप साहित्य परिषद के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर सत्येन्द्र राजपूत ने अपना 27 वा रक्तदान जिला चिकित्सालय में किया। सत्येन्द्र राजपूत शिक्षकीय क्षेत्र, समाज सेवा, रक्तदान, पौधे वितरण कर पर्यावरण को बढ़ावा देने और सामूहिक विवाह आदि के क्षेत्र में बहुत ही सक्रिय भागीदारी निभाते आ रहे हैं। लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के उप प्रांताध्यक्ष का दायित्व निभाते कर्मचारी हितैसी कार्य में भी योगदान देते आ रहे हैं।

धूमधाम से मनाए कबीर साहेब की जयंती

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर के ग्राम मजरकट्टा में हिन्दू पिंजारा समाज द्वारा कबीर जयंती का कार्यक्रम धूमधाम के साथ मनाए गया ।जिसमे समाज के लोगो के द्वारा बीएसएनएल कार्यालय के समीप पंडाल लगाकर कबीर साहेब के छाया चित्र की पूजा अर्चना कर प्रसाद के रुप में विशाल पूरी चने के सब्जी और प्रसाद वितरण किया गया जिसे राहगीरों के द्वारा भी रुककर ग्रहण किये ।ज्ञात हो कि कबीर प्रकट उत्सव या कबीर जयंती,कवि और रहस्यवादी संत कबीर साहेब के प्राकट्य के उपलक्ष्य में मनाया जाता है ।हालांकि कबीर जयंती के नाम से ही यह उत्सव मनाया जाता रहा है लेकिन संत रामपाल के अनुयाइयों ने इसे प्रकट उत्सव के रूप मे मनाना आरंभ किया ।यह साल में एक बार हिंदी पंचाग के ज्येष्ठ महीने में पूर्णिमा के दिन मनाया गया है,जो ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार मई या जून का महीना होता है ।ऐसा माना जाता है कि परमसंत कबीर साहेब इसी दिन 1398 ई.में काशी के लहरतारा तालाब में कमल पर शिशु रूप में सशरीर प्रकट हुए थे।

गुरु सत्ता एवं परम सत्ता में कोई भेद नही- डॉ. विरेन्द्र चौधरी

भव्यता एवं दिव्यता के साथ सम्पन्न हुआ तहसील स्तरीय महाआरती

बसना(समय दर्शन)। बसना मे आदिशक्ति जगत जननी जगदम्बे मां की असीम कृपा एवं पूज्य सद्गुरुदेव योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के दिशानिर्देश में विश्व कल्याण की भावना लेकर कुरितियों को नष्ट करने तथा समाज को नशे एवं मांसाहार की दल-दल से बाहर निकाल कर, चरित्रवान, चेतनावान बनाने बसना के श्री कृष्ण बिदुर भवन में मासिक महाआरती का भव्यता एवं दिव्यता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

यह आयोजन पांच घंटे का अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ के साथ प्रात: 11 बजे से एक घंटे का तहसील स्तरीय मासिक महाआरती प्रारंभ किया गया । बसना शहर के माता के भक्तों को भगवती मानव कल्याण संगठन द्वारा आरती चालीसा पाठ पुण्य लाभ लेने आव्हान किया गया ।

साधना क्रम में पहले मां, गुरुवर के गगनभेदी जयकारा हुआ। जिसमें गुरुवर की जयकारा टीम प्रमुख - सीताराम सेन एवं मॉ की जयकारा कु नीशा साव द्वारा सम्पन्न कराया गया ।

तत्पश्चात शंख नाद के साथ दिव्य मंत्रों की उच्चारण एवं आरती क्रम भव्यता पूर्वक संपन्न किया गया। अन्त मे चिन्तन व बौद्धिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । जिसमे भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के प्रांतीयाध्यक्ष डॉ . विरेन्द्र चौधरी ने बताया कि,गुरु सत्ता एवं परम सत्ता में कोई भेद नहीं है । अत: गुरु चरणों में जुड़कर आत्म कल्याण व जन कल्याण की दिशा में आगे बढ़े । चिंतन के दूसरे चरण में महासमुंद से कुमार पटेल और बसना तहसील के समस्त गुरु भाई बहनों को बधाई देते हुए कहा कि,दो दिन का यह मिला है जीवन लगा दे,, जन कल्याण में तेरा भी तन काम आएगा सतयुग के निर्माण में, चिंतन की अगली कड़ी में महासमुंद जिलाध्यक्ष दीपक कुमार नायक ने कहा कि, मां गंगा में डुबकी लगाने से शायद आपके पाप ना धुले लेकिन, महाआरती क्रम में आप यदि उपस्थित होते हैं तो निश्चित रूप से आपके कर्म ,संस्कार बदलेंगे ।

आपके पापों का क्षय भी होगा । कुन्दन नायक ने महाआरती क्रम में उपस्थित होकर अपने जीवन को संस्कारवान और चेतनावान बनाने का आग्रह किया । चिंतन के अंतिम कड़ी में गणपत पटेल ने समापन की घोषणा की . . प्रणाम के क्रम के साथ दिव्य शक्ति जल का वितरण किया गया। प्रसाद वितरण के साथ भोजन प्रसाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन साधक केशव साव द्वारा किया गया। इस अवसर पर सैकडों की संख्या में मां भक्त उपस्थित होकर दिव्य लाभ प्राप्त किए ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक- दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय-0771-4218364 ईमेल- samay.darshan191@gmail.com, पंजी. क्र. CHHHIN/2011/41517, डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26